वर्ष-14 - अंक 97
पृष्ट-08 मूल्य : 01 रुपया

सीतापुर
गुरुवार,16 जुलाई 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें....... 9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

अतिथियों के सम्मान का शौचालय बना उपेक्षा का शिकार 3 | 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' से चमका मेरठ का खेल उद्योग 4 | यूपी की बेड एंड ब्रेकफास्ट व होम स्टे नीति-2025 में संशोधन 02

नैनीताल से हल्द्वानी शिफ्ट होगा हाई कोर्ट...सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी

» सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड हाई कोर्ट को हल्द्वानी शिफ्ट करने की मंजूरी दे दी है
» एचसी ने निर्देश दिया कि सभी जरूरी मंजूरियां छह सप्ताह के भीतर दी जाएं
» साथ ही निर्देश दिया कि सभी जरूरी मंजूरियां छह सप्ताह के भीतर दी जाएं

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड हाई कोर्ट को हल्द्वानी शिफ्ट करने की मंजूरी दे दी है. इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के जनमत संग्रह कराने के आदेश को भी रद्द कर दिया. जस्टिस सूर्य कांत, जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने बुधवार को इस मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि हाई कोर्ट न्यायिक पक्ष की ओर से ऐसा निर्देश जारी नहीं कर सकता था। हाई कोर्ट के पास ऐसे आदेश पारित करने का अधिकार नहीं है. सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि सभी जरूरी मंजूरियां छह सप्ताह के भीतर दी जाएं. एचसी ने आदेश दिया कि जमीन हाई कोर्ट को सौंप दी जाए. दरअसल, उत्तराखंड कैबिनेट ने 2022 में हाई कोर्ट को नैनीताल से हल्द्वानी शिफ्ट करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी. हालांकि, हाई कोर्ट ने वकीलों और मुकदमेबाजों के बीच जनमत संग्रह कराने का निर्देश दिया था. यह तय करने के लिए कि क्या हाई कोर्ट को नैनीताल से शिफ्ट किया जाना चाहिए या नहीं।

जानें पूरा मामला

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह अपील उत्तराखंड हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने दायर की थी, जिसमें उत्तराखंड हाई कोर्ट के 8 मई, 2024 के आदेश को चुनौती दी गई थी. उस आदेश में, हाई कोर्ट ने हल्द्वानी के गोलापार में हाई कोर्ट बनाने के राज्य सरकार के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था. कोर्ट ने कहा था कि 26 हेक्टेयर जमीन का लगभग 75% हिस्सा वन क्षेत्र में आता है और वह इस प्रोजेक्ट के लिए पेड़ नहीं कटवाना चाहती. इसके बजाय, हाई कोर्ट ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि वे एक महीने के भीतर जमीन का कोई ज्यादा उपयुक्त टुकड़ा चुनें।

एचसी को दूसरी जगह ले जाने के कई कारण बताए

हाई कोर्ट ने नैनीताल से हाई कोर्ट को दूसरी जगह ले जाने के कई कारण भी बताए, जिनमें ट्रैफिक जाम, पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं की कमी, खराब कनेक्टिविटी, रहने का ज्यादा खर्च, वकीलों के लिए रहने की जगह की समस्या और दूर-दराज के जिलों से आने वाले मुकदमेबाजों को होने वाली परेशानियां शामिल थीं. कोर्ट ने निर्देश दिया था कि वकीलों और आम जनता की राय एक ऑनलाइन पोर्टल के जरिए ली जाए और मामले की जांच के लिए एक समिति बनाई जाए. 2024 में, सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी और प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए।

सरकार ने जारी किया देश का पहला सर्विसेज प्रोडक्शन इंडेक्स

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे बड़े क्षेत्र सेवा सेक्टर की मासिक गतिविधियों को मापने के लिए केंद्र सरकार ने पहली बार 'इंडेक्स ऑफ सर्विसेज प्रोडक्शन (आईएसपी)' जारी किया है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) द्वारा जारी यह प्रायोगिक सूचकांक सेवा क्षेत्र की वास्तविक स्थिति का मासिक आकलन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अप्रैल 2026 के लिए जारी पहले आईएसपी के अनुसार, देश के 19 उप-क्षेत्रों में से 14 ने सालाना आधार पर दोहरे अंकों (डबल-डिजिट) की वृद्धि दर्ज की है, जो सेवा क्षेत्र की मजबूत स्थिति का संकेत है। मंत्रालय के मुताबिक, यह नया सूचकांक देश के औपचारिक सेवा क्षेत्र की लगभग 60 प्रतिशत आर्थिक गतिविधियों को कवर करता है। इसका उद्देश्य सेवा क्षेत्र की अल्पकालिक आर्थिक गतिविधियों का नियमित और अधिक सटीक आकलन उपलब्ध कराना है। इस सूचकांक का आधार वर्ष 2024-25 रखा गया है। आईएसपी के आंकड़ों के अनुसार, रहने और खाने की सुविधाओं से जुड़े क्षेत्र में सबसे अधिक 37.2 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, मजबूत उपभोक्ता मांग के चलते खुदरा व्यापार (Retail Trade) में 30.8 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली। विशेषज्ञों का मानना है कि यह नया सूचकांक नीति निर्माण, आर्थिक विश्लेषण और सेवा क्षेत्र की प्रगति का समयबद्ध आकलन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

गृह मंत्री अमित शाह से मिले मुख्यमंत्री योगी

दिल्ली दौरे को लेकर राजनीतिक हलचल तेज, संगठन और प्रदेश के मुद्दों पर चर्चा के कयास

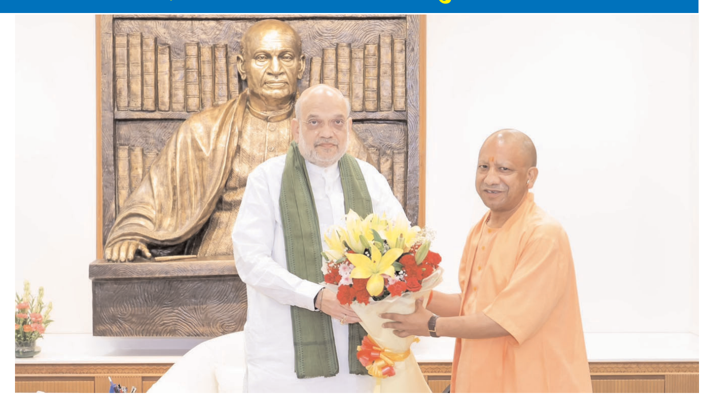

नई दिल्ली(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब 40 मिनट तक चली इस बैठक को राजनीतिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक ऐसे समय में हुई है, जब अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले को लेकर विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर है और प्रदेश की राजनीति में इस मुद्दे को लेकर बहस तेज है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को अचानक दिल्ली पहुंचे, जिसके बाद उनके दौरे को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के दौरान किन-किन विषयों पर चर्चा हुई, इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, राजनीतिक सूत्रों का मानना है कि बैठक में उत्तर प्रदेश से जुड़े प्रशासनिक और राजनीतिक मुद्दों के साथ-साथ संगठनात्मक गतिविधियों तथा आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी की भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भी मुलाकात की संभावना जताई जा रही है। माना जा रहा है कि आगामी चुनावी रणनीति, संगठन की मजबूती, प्रदेश सरकार के विकास कार्यों और विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है। यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी का मामला राजनीतिक बहस का विषय बना हुआ है। विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार से जवाब मांग रहा है, जबकि सरकार की ओर से मामले की जांच और आवश्यक कार्रवाई की बात कही जा रही है। ऐसे में मुख्यमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री की मुलाकात को राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राजनीतिक राज्य होने के कारण यहां की परिस्थितियों और संगठनात्मक तैयारियों पर भाजपा का शीर्ष नेतृत्व लगातार नजर बनाए हुए है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी का दिल्ली दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, मुख्यमंत्री कार्यालय और भाजपा की ओर से बैठक के एजेंडे को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। इसलिए बैठक में किन विषयों पर अंतिम रूप से चर्चा हुई, इसकी पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस अचानक दिल्ली दौरे और शीर्ष नेतृत्व से हुई मुलाकात पर राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर नजर बनी हुई है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में इन बैठकों से जुड़े निर्णय और रणनीतियां सार्वजनिक हो सकती हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

बिरही-निजमुला मार्ग पर फिर सक्रिय हुई 'काली चट्टान',

पीपलकोटी (चमोली)। चमोली जिले के बिरही-निजमुला (गौणा) मोटर मार्ग पर स्थित 'काली चट्टान' एक बार फिर लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। हैरानी की बात यह है कि बिना बारिश के भी यहां लगातार रुक-रुककर भूस्खलन हो रहा है, जिससे इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही जोखिमपूर्ण बनी हुई है। मंगलवार को भी चट्टान से मलबा गिरा, हालांकि उस समय कोई वाहन वहां से नहीं गुजर रहा था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। बिरही-निजमुला मार्ग निजमुला घाटी के पाणा, ईराणी, झींझी, गौणा, भनाली, मोली, हडुंग, गाड़ी, सैंजी सहित 15 से अधिक गांवों के करीब 15 हजार लोगों की जीवनरेखा है। ऐसे में लगातार हो रहे भूस्खलन से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है और आवागमन प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्ष 2024 में पहली बार इस स्थान पर बड़े स्तर पर भूस्खलन शुरू हुआ था। उस दौरान करीब एक सप्ताह तक लगातार मलबा गिरने के कारण सड़क बंद रही थी, जिससे लोगों को लगभग तीन किलोमीटर पैदल चलकर अपने गंतव्य तक पहुंचना पड़ा था।

दिल्ली पुलिस के आरोपी सिपाही मनीष भाटी ने की खुदकुशी

दिल्ली । दिल्ली पुलिस के सिपाही मनीष भाटी ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। शव मयूर विहार के एक पार्क में मिला है। वह अपनी पत्नी की हत्या के आरोप में फरार चल रहा था। पत्नी की हत्या का यह मामला ईस्ट दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके से संबंधित था। बीते दिन परिवार में बेटी प्रियंका का अंतिम सस्कार किया था। पूर्वी दिल्ली के कल्याणपुरी थाना क्षेत्र के ईस्ट विनोद नगर में दिल्ली पुलिस के एक सिपाही ने अपनी पत्नी की सर्विस पिस्टल से गोली मार दी। वारदात रविवार देर रात, महिला के जन्मदिन पर हुई। हत्या के बाद आरोपी पत्नी को सड़क पर तड़पता छोड़कर फरार हो गया।राह से गुजर रहे एक जोमैटो डिलीवरी बॉय ने घायल महिला को ऑटो से एलबीएस अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतका के पिता की शिकायत पर हत्या और दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कर लिया है।पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने बताया कि मृतका प्रियंका (32) मूल रूप से गौतमबुद्ध नगर के सादोपुर गांव की रहने वाली थी।

मदद करने पहुंचा था, मौत मिल गई: टैंकर और कैंटर के बीच दबकर ई-रिक्शा चालक की दर्दनाक मौत

खुर्जा(एजेंसी)। बुलंदशहर के खुर्जा स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-34) पर मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में मदद के लिए पहुंचे 18 वर्षीय ई-रिक्शा चालक की जान चली गई। वाजिदपुर कट के पास खड़े पानी के टैंकर और पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कैंटर के बीच दबने से ई-रिक्शा चालक प्रिंस की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कैंटर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद टैंकर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, एनएच-34 पर वाजिदपुर कट के पास एक पानी के टैंकर का टायर अचानक पंक्चर हो गया था। टैंकर चालक ने पास से गुजर रहे ई-रिक्शा चालक प्रिंस (18) निवासी मुरारी

नगर कॉलोनी, खुर्जा की मदद ली। प्रिंस टैंकर का पंक्चर टायर लेकर कैलाश कट स्थित पंक्चर की दुकान पर पहुंचा और टायर ठीक कराकर उसे वापस टैंकर के पास ले आया। टायर उतारने के बाद प्रिंस अपना ई-रिक्शा मोड़कर वहां से लौटने ही वाला था कि पीछे से तेज गति से आ रहे कैंटर ने नियंत्रण खो दिया और ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा टैंकर और कैंटर के बीच फंस गया। प्रिंस भी दोनों वाहनों के बीच दब गया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में कैंटर चालक उमर, निवासी एटा, भी गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। पुलिस दोनों घायलों को जटिया अस्पताल लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने प्रिंस को मृत घोषित कर दिया। वहीं कैंटर चालक की हालत गंभीर होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। एंबुलेंस चालक आशिष कुमार ने बताया कि घायल कैंटर चालक उमर गाजियाबाद से अलीगढ़ जा रहा था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कैंटर अचानक अनियंत्रित हो गया, जिसके चलते यह हादसा हुआ। घटना के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा।

डॉक्टरों से मारपीट मामले में शिवसेना पार्षद रमेश म्हात्रे को जमानत

महाराष्ट्र(एजेंसी)। डोंबिवली के एक नगर निगम अस्पताल में डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मियों से कथित मारपीट के मामले में गिरफ्तार शिवसेना पार्षद रमेश म्हात्रे को मंगलवार को स्थानीय अदालत से जमानत मिल गई। अदालत ने उन्हें 50 हजार रुपये के निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया। सोमवार को पुलिस हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद अदालत ने रमेश म्हात्रे को न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। इसके बाद उनके अधिवक्ता ने जमानत याचिका दाखिल की, जिस पर मंगलवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान पुलिस ने जमानत का विरोध करते हुए अदालत को बताया कि रमेश म्हात्रे के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने तर्क दिया कि उनके आपराधिक रिकॉर्ड को देखते हुए जमानत नहीं दी जानी चाहिए।

19 साल बाद कोलकाता लौटेंगी तस्लीमा नसरीन

कोलकाता। बांग्लादेश की चर्चित लेखिका तस्लीमा नसरीन करीब 19 वर्षों बाद एक बार फिर कोलकाता लौट रही हैं। वर्ष 2007 में उनके लेखन को लेकर हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद उन्हें शहर छोड़ना पड़ा था। अब वह आगामी 1 अगस्त को कोलकाता के रवींद्र सदन में आयोजित एक कट्टरता विरोधी साहित्यिक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी। तस्लीमा नसरीन ने स्वयं सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी वापसी की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान वह अपनी कविताओं का पाठ भी करेंगी।

इस आयोजन का आयोजन कई धर्मनिरपेक्ष और कट्टरता विरोधी संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। बंगाल में हाल ही में भाजपा सरकार बनने के बाद तस्लीमा की वापसी को राजनीतिक और वैचारिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भाजपा इसे अभिव्यक्ति की

स्वतंत्रता और धार्मिक कट्टरता के विरुद्ध अपने रुख का प्रतीक बता रही है। कार्यक्रम के आयोजक एवं 'पश्चिमबांगर जोन्नो' संगठन से जुड़े मोहित रॉय ने कहा कि यह तस्लीमा नसरीन की कोलकाता वापसी का ऐतिहासिक अवसर होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2007 में तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार ने कट्टरपंथी दबाव के आगे झुकते हुए तस्लीमा को शहर छोड़ने के लिए मजबूर किया था। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के भी शामिल होने की संभावना है।

भारत-बांग्लादेश सीमा के तटीय क्षेत्रों में पहुंचे बीएसएफ डीजी

नई दिल्ली(एजेंसी)। बीएसएफ के महानिदेशक प्रवीण कुमार, आईपीएस ने 11 से 14 जुलाई 2026 तक भारत-बांग्लादेश सीमा से लगे अत्यंत संवेदनशील तटीय क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सुंदरबन के गहरे इलाकों में स्थित भारत-बांग्लादेश सीमा के तटीय क्षेत्रों का जायजा लिया। डीजी ने डेल्टा और उसके आसपास के क्षेत्रों में तैनात जवानों की परिचालन तत्परता, सीमा सुरक्षा ग्रिड और चल रहे बाड़बंदी कार्यों की समीक्षा की। अपने इस दौरे में बीएसएफ डीजी प्रवीण कुमार ने जनसंपर्क के तहत, स्थानीय निवासियों और क्षेत्र में तैनात सरकारी अधिकारियों से मुलाकात

की। उन्होंने सीमावर्ती समुदायों को सैनिकों के साथ पूर्ण सहयोग देने के लिए धन्यवाद दिया। प्रवीण कुमार ने जनता और बल के बीच मजबूत संबंधों के प्रति बीएसएफ की प्रतिबद्धता को दोहराया।बीएसएफ महानिदेशक ने बहादुर सीमा प्रहरियों के साथ संवाद किया। उन्होंने जवानों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है।

सामान्य कतार में लगकर रामलला के दर्शन को पहुंचे गोपाल राव

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या स्थित राम मंदिर के पूर्व निर्माण सहायक गोपाल राव ने मंगलवार को किसी विशेष सुविधा का उपयोग किए बिना सामान्य श्रद्धालुओं की कतार में लगकर रामलला के दर्शन किए। उन्होंने पूरे दर्शन मार्ग पर आम श्रद्धालुओं की तरह सभी सुरक्षा जांच कराई और व्यवस्थाओं का भी बारीकी से जायजा लिया। दर्शन के बाद गोपाल राव ने कहा कि रामभक्तों की आस्था में कोई कमी नहीं आई है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ रामलला के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

राम मंदिर ट्रस्ट में वित्तीय पारदर्शिता पर जोर, खातों की रोजाना होगी निगरानी

अयोध्या(एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने वित्तीय पारदर्शिता और जवाबदेही को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से खातों की निगरानी व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। नई व्यवस्था के तहत अब ट्रस्ट की आय और व्यय का प्रतिदिन ऑडिट (डेली ऑडिट) किया जाएगा तथा प्रत्येक वित्तीय लेन-देन का उसी दिन मिलान कर अभिलेख तैयार किए जाएंगे। सूत्रों के अनुसार, ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव डॉ. कृष्ण मोहन को खातों की जिम्मेदारी सौंपे जाने के बाद चंदन राय और जगदीश आफले ने सहयोगी के रूप में अकाउंट सिस्टम का संचालन संभाल लिया है। दोनों अधिकारियों ने नई वित्तीय व्यवस्था के तहत कार्यभार ग्रहण कर लिया है और लेखा प्रणाली को अधिक सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। नई व्यवस्था के तहत मंदिर में मिलने वाले दान, प्रसाद बिक्री, विभिन्न काउंटरों से होने वाली आय तथा अन्य सभी वित्तीय मदों का दैनिक रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। इसके साथ ही प्रतिदिन आय-व्यय का मिलान कर संबंधित दस्तावेज सुरक्षित रखे जाएंगे, ताकि वित्तीय लेन-देन में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। सूत्रों का कहना है कि पहले नियमित रूप से प्रतिदिन ऑडिट की व्यवस्था नहीं थी, लेकिन अब प्रत्येक दिन के वित्तीय रिकॉर्ड का उसी दिन सत्यापन किया जाएगा। इससे लेखा प्रणाली अधिक सुदृढ़ होगी और किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना को समय रहते रोका जा सकेगा। ट्रस्ट का उद्देश्य वित्तीय प्रबंधन को आधुनिक, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाना है। इसी दिशा में अकाउंट सिस्टम की कई प्रक्रियाओं को नए सिरे से लागू किया जा रहा है। चंदन राय और जगदीश आफले, डॉ. कृष्ण मोहन के समन्वय में नई व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित कर रहे हैं। ट्रस्ट से जुड़े सूत्रों का मानना है कि दैनिक ऑडिट व्यवस्था लागू होने से वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता में उल्लेखनीय सुधार होगा तथा श्रद्धालुओं द्वारा दिए जाने वाले दान और अन्य आय का लेखा-जोखा अधिक व्यवस्थित तरीके से संचालित किया जा सकेगा।

क्या यूपीएससी परीक्षा में टीचर और पूर्व अभ्यर्थी बन सकते हैं स्क्राइब?

दिल्ली HC ने केंद्र से भी मांगा जवाब

» दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र, यूपीएससी से मांगा जवाब।
» कोचिंग शिक्षकों, पूर्व अभ्यर्थियों को स्क्राइब रोकने की मांग।

नई दिल्ली। कोचिंग सेंटर के टीचर और संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा पहले दे चुके लोगों को सिविल सर्विस परीक्षा के लिए 'स्क्राइब' (लिखने में मदद करने वाला) बनने से रोकने की मांग को लेकर दायर याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार व यूपीएससी से जवाब मांगा है। गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने केंद्र व यूपीएससी को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले पर अगली सुनवाई 16 सितंबर को होगी।

स्क्राइब की योग्यता उम्मीदवार से एक स्तर नीचे हो

जनहित याचिका दायर करने वाली दीपस्तंभ फाउंडेशन की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता राहुल बजाज ने कहा कि याचिका में यूपीएससी की स्क्राइब योग्यता शर्तों को इस आधार पर चुनौती दी है कि स्क्राइब की योग्यता उम्मीदवार की न्यूनतम योग्यता से ज्यादा नहीं हो सकती।

याचिका में कहा गया है कि राइट्स आफ पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज एक्ट-2016 और केंद्र सरकार की दिशानिर्देश के मुताबिक, दिव्यांग कोटे के उम्मीदवारों को यूपीएससी परीक्षा लिखने के लिए अपना स्क्राइब लाने की अनुमति है, बशर्ते स्क्राइब की योग्यता उम्मीदवार से एक स्तर नीचे हो।

सरकारी दिशानिर्देश का गलत इस्तेमाल हो रहा

हालांकि, सरकारी दिशानिर्देश का गलत इस्तेमाल हो रहा है क्योंकि उम्मीदवार कोई निष्पक्ष मददगार नहीं, बल्कि ऐसे लोगों को ला रहे हैं जिन्हें परीक्षा की जानकारी और अनुभव है। याचिका में कहा गया है कि दिल्ली के मुखर्जी नगर और ओल्ड राजेंद्र नगर में यूपीएससी कोचिंग संस्थानों में काम करने वाले शिक्षक और पहले परीक्षा दे चुके स्नातक 'स्क्राइब सर्विस' दे रहे हैं।

याचिका में यह भी कहा गया कि यह तरीका उस प्रतियोगी परीक्षा के मकसद को ही खत्म कर देता है जिसका मकसद निष्पक्ष मानदंडों के आधार पर सबसे अच्छे उम्मीदवारों को चुनना है। याचिका में ऐसे निर्देश जारी करने की मांग की गई दिव्यांग उम्मीदवारों को ऐसे स्क्राइब की सेवा लेने की अनुमति न मिले जो पहले यूपीएससी परीक्षा में शामिल हो चुका हो।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की मासिक पंचायत

किसानों की समस्याओं को लेकर तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

बिसवां (सीतापुर)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की मासिक पंचायत मंगलवार को तहसील अध्यक्ष शिवराज सिंह पटेल की अध्यक्षता में तहसील परिसर बिसवां में आयोजित हुई। पंचायत में किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके बाद संगठन के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी को संबोधित छह सूत्रीय ज्ञापन तहसीलदार को सौंपते हुए समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि तहसील कर्मचारियों की लापरवाही के कारण बड़ी संख्या में किसानों के दाखिल-खारिज और वरासत के मामले लंबित पड़े हैं। इससे किसानों की खतौनियां ऑनलाइन नहीं हो पा रही हैं, फॉर्मर आईडी नहीं बन रही है

तथा खाद प्राप्त करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं बटाई पर खेती करने वाले भूमिहीन किसानों और मजदूरों को भी जमीन उनके नाम न होने के कारण खाद नहीं मिल पा रही है। ज्ञापन में श्रीमती मंजू देवी के प्रार्थना पत्र पर कार्रवाई, सीएचसी सकरन को दिए गए ज्ञापन के निस्तारण, अहमदाबाद-बिचपरी मार्ग पर रायपुर के पास अतिक्रमण हटाने तथा पूर्व में जिलाधिकारी को दिए गए ज्ञापन पर क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा लगाई गई कथित गलत रिपोर्ट की निष्पक्ष पुनः जांच कराने की भी मांग की गई।

यूपी की बेड एंड ब्रेकफास्ट व होम स्टे नीति-2025 में संशोधन

अब 8 कमरों तक होगा पंजीकरण, ऑटो रिन्यूअल की सुविधा भी हुई आसान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने बेड एंड ब्रेकफास्ट एवं होम स्टे नीति-2025 को अधिक प्रभावी, लोकप्रिय और हितधारकों के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से इसकी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) में महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। संशोधित व्यवस्था के तहत अब होम स्टे और बेड एंड ब्रेकफास्ट प्रतिष्ठानों में अधिकतम आठ कमरों का पंजीकरण कराया जा सकेगा। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि नई व्यवस्था से पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा और अधिक लोग इस योजना से जुड़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि संशोधन का उद्देश्य पर्यटन आधारित स्वरोजगार को प्रोत्साहित करना और प्रदेश में पर्यटकों के लिए गुणवत्तापूर्ण आवास सुविधाओं का विस्तार करना है। नई एसओपी के अनुसार, होम स्टे प्रतिष्ठानों में न्यूनतम एक और अधिकतम आठ कमरे पंजीकृत कराए जा सकेंगे। जिन भवनों में नौ या उससे अधिक कमरे होंगे, वे इस नीति के तहत पंजीकरण के पात्र नहीं होंगे। साथ ही यह भी अनिवार्य होगा कि होम स्टे का मालिक या उसका परिवार उसी भवन में निवास करता हो। इसी प्रकार बेड एंड ब्रेकफास्ट प्रतिष्ठानों में भी न्यूनतम एक और अधिकतम आठ कमरों का पंजीकरण कराया जा सकेगा। इसके अलावा अब 16 बिस्तरों वाली डॉरमेट्री को भी इस श्रेणी में पात्र इकाई माना जाएगा। पहले यह सीमा 12 बिस्तरों तक थी। सरकार ने पंजीकरण के नवीनीकरण की प्रक्रिया को भी सरल बनाया है। अब होम स्टे, ग्रामीण होम स्टे और बेड एंड ब्रेकफास्ट प्रतिष्ठानों के पंजीकरण प्रमाणपत्र का ऑटो रिन्यूअल उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के पोर्टल पर स्वयं किया जा सकेगा। आवेदक पंजीकरण की वैधता समाप्त होने से तीन महीने पहले ऑनलाइन नवीनीकरण करा सकेंगे। मंत्री ने बताया कि यदि कोई आवेदक निर्धारित समय में ऑटो रिन्यूअल नहीं करा पाता है, तो उसका आवेदन जिला स्तरीय समिति के विवेक पर विचार किया जाएगा। इसके लिए आवेदक को देरी का पर्याप्त और उचित कारण प्रस्तुत करना होगा। गौरतलब है कि 26 जून 2025 को जारी मूल एसओपी में होम स्टे और बेड एंड ब्रेकफास्ट प्रतिष्ठानों में अधिकतम छह कमरों के पंजीकरण की अनुमति थी तथा डॉरमेट्री की क्षमता 12 बिस्तरों तक सीमित थी। संशोधित प्रावधानों के तहत इन सीमाओं को बढ़ाकर क्रमशः आठ कमरे और 16 बिस्तर कर दिया गया है। सरकार का मानना है कि इन संशोधनों से प्रदेश में होम स्टे संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा, पर्यटन क्षेत्र में निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा घरेलू और विदेशी पर्यटकों को बेहतर आवास सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

कारागार राज्य मंत्री ने बढ़ाया मदद का हाथ मृतक किसान की पत्नी को सौंपा 4 लाख का चेक

कारागार राज्य मंत्री ने मृतक की पत्नी को हर संभव मदद का दिलाया विश्वास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

परसेंडी सीतापुर। विकास खंड परसेंडी क्षेत्र की ग्राम पंचायत पकरिया धापूपुर के पकरिया गांव निवासी किसान राम नारायण उर्फ दूबर की खेत मे कार्य करते समय विगत दिनों आकाशीय बिजली गिरने से असामयिक मृत्यु हो गई थी। शासन की ओर से स्वीकृत राहत सहायता के तहत कारागार राज्य मंत्री सुरेश राही ने मंगलवार को मृतक की पत्नी श्याम कली को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया। इस दौरान कारागार राज्य मंत्री ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि किसी अपने के चले जाने की भरपाई कोई आर्थिक सहायता नहीं कर सकती, लेकिन संकट की इस घड़ी में प्रदेश सरकार परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार की मंशा है कि प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित प्रत्येक पात्र परिवार को बिना किसी विलंब के राहत सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि कठिन समय में उन्हें आर्थिक संबल मिल सके। मंत्री सुरेश राही ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पूरी पारदर्शिता के साथ पात्र लोगों तक समयबद्ध ढंग से पहुंचाया जाए और किसी भी जरूरतमंद परिवार को सरकारी सहायता से वंचित न रहने दिया जाए। उन्होंने परिजनों को हरसंभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया। आर्थिक सहायता का चेक प्राप्त करने के बाद मृतक की पत्नी श्याम कली एवं अन्य परिजनों ने प्रदेश सरकार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा कारागार राज्य मंत्री सुरेश राही के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में सरकार द्वारा मिली सहायता उनके परिवार के लिए बड़ी राहत साबित होगी। इस अवसर पर तहसीलदार सदर, क्षेत्रीय लेखपाल सहित अन्य राजस्व अधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

ट्रांसपोर्ट नगर में ओवरस्पीड वाहनों पर चला ट्रैफिक पुलिस का शिकंजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में सड़क सुरक्षा को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने ओवरस्पीड वाहनों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। पुलिस उपायुक्त (यातायात) रवीना त्यागी के निर्देश पर मंगलवार को ट्रांसपोर्ट नगर स्थित बीमा अस्पताल के पास विशेष जांच अभियान चलाया गया, जिसमें तेज रफ्तार से चलने वाले वाहनों पर कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान ट्रैफिक पुलिसकर्मी फकीर आलम और अनिल कुमार ने इंटरसेप्टर वाहन एवं स्पीड डिटेक्शन मशीन की सहायता से ओवरस्पीड वाहनों की निगरानी की। उन्होंने बताया कि लगातार कार्रवाई के बावजूद कई वाहन चालक शहर की सड़कों पर निर्धारित गति सीमा का उल्लंघन कर रहे हैं। कई लोगों को यह जानकारी भी नहीं है कि इंटरसेप्टर वाहन के माध्यम से उनकी गति रिकॉर्ड होने के साथ ही ऑनलाइन चालान भी जारी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उच्च अधिकारियों एडीसीपी ट्रैफिक रघुवेंद्र प्रताप सिंह तथा यातायात निदेशालय के निर्देशानुसार सुबह से शाम तक यह अभियान चलाया जा रहा है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों को 'सड़क सुरक्षा ही जीवन रक्षा' का संदेश देते हुए यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा सुरक्षित ड्राइविंग अपनाने की अपील की। पुलिस ने कहा कि सड़क हादसों को रोकने के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

पेड़-पौधे आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर : अशोक प्रजापति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद ,सीतापुर। वृक्षारोपण महायज्ञ अभियान के अंतर्गत पूरे क़स्बा खैराबाद ही क्या पूरे उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन विभिन्न कालेजों तथा दरगाहों तथा सार्वजनिक स्थानों पर किया गया और वातावरण को अच्छा बनाने के लिए पौधे लगाए गए। इसी क्रम में स्टडी प्वाइंट इन्टर कॉलेज में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया उक्त अवसर पर कॉलेज के प्रशासनिक अधिकारी पूर्व शिक्षक एवं राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत अशोक कुमार प्रजापति ने कहा कि पेड़ पौधे केवल पर्यावरण को संतुलित नहीं रखते बल्कि हमारी आने वाली नस्लों के लिए हितकारी एवं लाभकारी हैं इस लिए मानव जीवन को इस पर ध्यान देना चाहिए इसी अवसर पर कक्षा 11 और 12 के बच्चों ने भी पौध रोपण किया जिसमें क्षितिज कंबोज, अनस अहमद खान,अब्दुल कादिर सिद्दीकी, शिवांशु शुक्ला, सिद्धांत बाजपेई के अलावा कॉलेज प्रबंधक हाजी सैय्यद आमिर मियां रिज़वी, सहप्रबन्धक लुबना रिज़वी, प्रधानाचार्य अमियकरन अवस्थी, उप प्रधानाचार्य के पी श्रीवास्तव, नीरज कुमार आदि ने भी पौध रोपण का कार्य किया।इसके अलावा एम अल्लामा फ़ज़्ले हक़ खैराबादी मेमोरियल कॉलेज खैराबाद तथा कंपोजिट विद्यालय नेवादा देवमन में प्रधानाध्यापक काज़िम हुसैन व स्टाफ के द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम सफलता पूर्वक मनाया गया। वृक्षारोपण महायज्ञ अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण को बढ़ावा देना तथा किसानों को फलदार एवं उपयोगी पौधों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना है। विद्यालय प्रबंधन की ओर से बच्चों को आम, अमरूद, अनार, कटहल, नींबू, जामुन, अशोक और नीम , आंवला, शतावर सहित विभिन्न फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधे वितरित किए गए। इस अवसर पर कॉलेज के समस्त शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे। अंत में अशोक कुमार प्रजापति ने सभी का आभार व्यक्त किया।

विधायक डॉ. मनोज कुमार प्रजापति से मिले पूर्व प्रांतीय महामंत्री नीलमणि नरसिंहराव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर। सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. मनोज कुमार प्रजापति से पूर्व प्रांतीय महामंत्री, उत्तर प्रदेश पशुपालन विभाग मिनिस्टीरियल एम्पलाइज एसोसिएशन, नीलमणि नरसिंहराव ने शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान दोनों के बीच क्षेत्र के विकास, जनहित से जुड़े मुद्दों तथा कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। नरसिंहराव ने विधायक डॉ. प्रजापति को संगठन की गतिविधियों एवं कर्मचारियों की अपेक्षाओं से अवगत कराया। वहीं विधायक डॉ. मनोज कुमार प्रजापति ने जनसमस्याओं के समाधान तथा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए अपने संकल्प को दोहराया। इस अवसर पर दोनों ने आपसी सहयोग और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर सकारात्मक विचार-विमर्श किया। शिष्टाचार भेंट के दौरान सौहार्दपूर्ण वातावरण में विभिन्न समसामयिक विषयों पर भी चर्चा हुई।

संक्षिप्त खबरें

महिला आयोग की मासिक समीक्षा बैठक में जनसुनवाई व महिला संस्थानों के निरीक्षण की समीक्षा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की मासिक समीक्षा बैठक मंगलवार को आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में महिला जनसुनवाई, महिला संस्थानों के निरीक्षण तथा आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक का शुभारंभ आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान, उपाध्यक्ष अपर्णा यादव एवं चारू चौधरी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद आयोग के पदाधिकारियों ने विगत माह के कार्यों की समीक्षा करते हुए विभिन्न जनपदों में आयोजित महिला जनसुनवाई कार्यक्रमों तथा वन स्टॉप सेंटर, महिला चिकित्सालय, महिला बंदीगृह और कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों के निरीक्षणों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने निरीक्षणों के दौरान सामने आए मामलों पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई हेतु पत्र भेजने के निर्देश दिए। साथ ही महिला सुरक्षा, संरक्षण और कल्याण से जुड़े मामलों के प्रभावी निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया।

रबी फसलों के समर्थन मूल्य पर यूपी सरकार की अहम बैठक

लखनऊ। रबी विपणन वर्ष 2027-28 के लिए फसलों के समर्थन मूल्य (एमएसपी) तय करने की प्रक्रिया में उत्तर प्रदेश सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में मंगलवार को विधानसभा स्थित कक्ष संख्या-8 में राज्य मूल्य परामर्शदात्री परिषद की बैठक आयोजित की गई, जिसमें रबी वर्ष 2026-27 की प्रमुख फसलों के सहाय्य मूल्य की संस्तुति भारत सरकार को भेजने का निर्णय लिया गया। बैठक में किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए गेहूं, जौ, चना, मटर, मसूर और लाही-सरसों के समर्थन मूल्य की सिफारिश कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी) को भेजने पर सहमति बनी। परिषद ने इन फसलों के लिए प्रस्तावित सहाय्य मूल्य केंद्र सरकार को भेजने का निर्णय लिया, जिसके आधार पर अंतिम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) घोषित किया जाएगा।

कृषि महाविद्यालय में श्रद्धापूर्वक मनाया गया चंद्रभानु गुप्त का 125वां जन्मदिवस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। चंद्रभान गुप्त कृषि महाविद्यालय में को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय चंद्रभानु गुप्त जी का 125वां जन्मदिवस श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. फिदा हुसैन अंसारी एवं महामंत्री डॉ बैजनाथ रावत द्वारा चंद्रभानु गुप्त जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर डॉ. अंसारी ने गुप्त जी के जीवन, संघर्षों एवं जनसेवा के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि वे सादगी, ईमानदारी और किसान हितैषी नीतियों के प्रतीक थे। उनके आदर्श आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। दृष्टि सामाजिक संस्थान लखनऊ में निराश्रित और दिव्यांग बच्चों को भोजन कराया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य ने सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों को कार्यक्रम में सहभागिता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे महापुरुषों के विचारों को अपनाकर ही हम कृषि एवं शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति कर सकते हैं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंह ने जानकारी दी कि चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1995 में बाबू भगवती सिंह जी द्वारा की गई थी। महाविद्यालय उनके नाम को सार्थक करते हुए कृषि शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी शिवमंगल चौरसिया, डॉ एच एन तिवारी , धर्मेंद्र कुमार सिंह, डॉ उरुज आलम सिद्दीकी सहित सभी समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने चंद्रभान गुप्त जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

दुबग्गा फ्लाईओवर निर्माण की तैयारियां तेज, जिलाधिकारी ने किया स्थल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने की दिशा में दुबग्गा चौराहे पर प्रस्तावित फ्लाईओवर निर्माण परियोजना ने गति पकड़ ली है। मंगलवार को जिलाधिकारी विशाख जी ने लखनऊ-हरदोई मार्ग स्थित दुबग्गा चौराहे पर प्रस्तावित फ्लाईओवर के निर्माण स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को सभी औपचारिकताएं समयबद्ध ढंग से पूरी कर निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उत्तर प्रदेश सेतु निगम के परियोजना अधिकारी अमित वर्मा ने बताया कि परियोजना के लिए ?30531.37 लाख (लगभग ?305.31 करोड़) की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति मिल चुकी है। प्रस्तावित फ्लाईओवर 1800 मीटर लंबा और 11.50 मीटर चौड़ा होगा। उन्होंने बताया कि परियोजना के निर्माण में वन विभाग, मंडी परिषद तथा लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की कुछ भूमि प्रभावित हो रही है। इस पर जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर भूमि संबंधी औपचारिकताओं और अन्य तकनीकी प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की देरी न हो। परियोजना अधिकारी के अनुसार, फ्लाईओवर बनने के बाद कानपुर बाईपास और आगरा एक्सप्रेस-वे से आने वाला यातायात सीधे हरदोई रोड से जुड़ सकेगा। इससे हरदोई, सीतापुर, मलिहाबाद, चौक और बुद्धेश्वर क्षेत्र के बीच आवागमन अधिक सुगम होगा तथा दुबग्गा चौराहे पर लंबे समय से बनी जाम की समस्या से राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि परियोजना के पूरा होने पर लगभग चार लाख लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। साथ ही क्षेत्र में व्यापार, परिवहन और आधारभूत विकास को भी नई गति मिलेगी।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत आजाद पार्क में वृहद पौधारोपण

लखनऊ। पर्यावरण संरक्षण और हरित उत्तर प्रदेश के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए मंगलवार को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत राजीव गांधी प्रथम वार्ड के विनीत खंड-6 स्थित आजाद पार्क में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना और महापौर सुषमा खर्कवाल ने पौधारोपण कर नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अभियान के अंतर्गत पार्क परिसर में आंवला, बॉटल ब्रश, गुड़हल, चांदनी और गुलचीन सहित विभिन्न प्रजातियों के 100 से अधिक पौधे लगाए गए। इस दौरान प्रभारी मंत्री, महापौर, स्थानीय पार्षद संजय सिंह राठौर तथा नगर आयुक्त गौरव कुमार ने भी पौधे रोपे और लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

बिराहिमपुर में प्रधान-सचिव विवाद गहराया सचिव पर भुगतान का दबाव बनाने के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद (लखनऊ)। मलिहाबाद विकासखंड की ग्राम पंचायत बिराहिमपुर एक बार फिर गंभीर विवादों के केंद्र में है। ग्राम प्रधान रामशंकर कश्यप पर अपने ही ग्राम पंचायत सचिव पर कथित रूप से दबाव बनाने, सरकारी धन निकलवाने के लिए धमकाने तथा त्रिनेत्र (CCTV) योजना में अनियमितताएं करने के गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रधान और सचिव के बीच चल रहा विवाद अब पूरे पंचायत क्षेत्र में चर्चा का विषय बन चुका है। ग्रामीणों के अनुसार, त्रिनेत्र योजना के तहत CCTV कैमरे लगाने में नियमों की अनदेखी की गई। आरोप है कि जहां योजना के अनुसार सीमित संख्या में कैमरे लगाए जाने थे, वहीं 8 कैमरों के स्थान पर 16 कैमरे लगवाए गए। ग्रामीणों का दावा है कि इस अतिरिक्त कार्य के भुगतान के लिए ग्राम पंचायत सचिव पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है। आरोप यह भी है कि सचिव से सरकारी धन निकालने के लिए धमकाने और दबाव डालने का प्रयास किया जा रहा है।

सचिव पर दबाव बनाने के आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत सचिव ने कथित अनियमितताओं के चलते भुगतान में आपत्ति जताई, जिसके बाद प्रधान द्वारा लगातार उन पर दबाव बनाया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि सचिव से ऐसे कार्यों का भुगतान कराने की कोशिश की जा रही है, जिन पर पहले से विवाद बना हुआ है। यही कारण है कि प्रधान और सचिव के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

प्रधान के घर में लगी CCTV की LCD पर उठे सवाल

त्रिनेत्र योजना को लेकर एक और बड़ा आरोप यह है कि गांव में लगे छ्ष्टञ्ज्ङ्क कैमरों की निगरानी के लिए लगी स्रुष्ठ टीवी आज भी ग्राम प्रधान के निजी आवास पर लगी हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि सार्वजनिक सुरक्षा के लिए लगाए गए कैमरों की निगरानी किसी सरकारी स्थान के बजाय प्रधान के घर से की जा रही है। इससे चुनावी रंजिश रखने वाले लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने और निजी तौर पर निगरानी किए जाने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़ी निगरानी प्रणाली किसी व्यक्ति विशेष के निजी नियंत्रण में नहीं होनी चाहिए। उन्होंने मांग की है कि स्रुष्ठ को तत्काल पंचायत भवन या किसी अधिकृत सरकारी स्थान पर स्थानांतरित किया जाए।

आवास योजना में भी धांधली के आरोप

ग्राम प्रधान पर केवल छ्ष्टञ्ज्ङ्क योजना ही नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री आवास योजना में भी अनियमितताओं के आरोप लगाए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायतों के बाद प्रशासन ने संबंधित मामलों में कार्रवाई करते हुए प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। आरोप है कि पात्र लाभार्थियों की अनदेखी कर मनमाने तरीके से चयन करने की कोशिश की गई।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी भुगतान का दबाव?

ग्रामीणों का कहना है कि उच्च न्यायालय के आदेश के बाद प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने के कारण वे सरकारी धन के उपयोग और वित्तीय निर्णय लेने के अधिकार में नहीं हैं। इसके बावजूद ग्राम प्रधान द्वारा सचिव पर सरकारी भुगतान कराने का दबाव बनाए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। यदि यह सही पाया जाता है तो यह प्रशासनिक व्यवस्था और न्यायालय के आदेशों की अवहेलना का विषय भी बन सकता है।

भ्रष्टाचार मुक्त' होने का दावा, लेकिन ग्रामीणों के गंभीर आरोप

ग्राम प्रधान रामशंकर कश्यप स्वयं को लगातार भ्रष्टाचार मुक्त बताते रहे हैं, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में हुए 80 प्रतिशत से अधिक विकास कार्यों में वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताएं हुई हैं। ग्रामीणों ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

संक्षिप्त खबरें

बघेला नाला के पास सड़क किनारे से हटाए गए झाड़-झंखाड़, दुर्घटनाओं पर लगेगी लगाम

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवां-ठूठीबारी मुख्य मार्ग पर सेखुआनी चौराहे के पास स्थित बघेला नाले के समीप लोक निर्माण विभाग द्वारा मंगलवार को सड़क किनारे उगे झाड़-झंखाड़ की व्यापक सफाई कराई गई। इस मार्ग के दोनों तरफ लगी सफेद पट्टियां झाड़ियों से पूरी तरह ढक चुकी थीं, जिससे यहां से गुजरने वाले राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था और हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी।परसामलिक थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इस बघेला नाले के पुल के पूरब और पश्चिम दिशा में अक्सर सड़क हादसे होते रहते हैं। पीडब्लूडी विभाग ने पूर्व में इस संवेदनशील और दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र को देखते हुए सुरक्षा के लिहाज से सड़क के दोनों तरफ रेलिंग भी लगवाई थी। हालांकि रेलिंग के साथ-साथ सड़क की सफेद पट्टी तक झाड़ियों के फैल जाने के कारण मोड़ पर सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते थे, जिससे हादसों का खतरा दोगुना हो गया था। इसी समस्या को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने मंगलवार को विशेष अभियान चलाकर दोनों पटरियों को साफ कराया। इस संबंध पीडब्ल्यूडी के अवर अभियंता राहुल प्रसाद जिज्ञासु ने कहा कि यातायात व्यवस्था को सुदृढ़, सुरक्षित और सुचारू बनाने के लिए बघेला नाला के समीप सड़क के दोनों तरफ फैले झाड़-झंखाड़ की सफाई कराई जा रही है, ताकि राहगीरों को साफ रास्ता मिले और हादसों को रोका जा सके।

राशन घोटाले के आरोपों के बीच कोटेदार और प्रधान प्रतिनिधि आमने-सामने

बस्ती। जिले के कप्तानगंज विकासखंड की ग्राम पंचायत नरहरपुर में राशन वितरण को लेकर विवाद गहरा गया है। प्रधान प्रतिनिधि रण विजय चौधरी ने कोटेदार संजय कुमार पर गरीबों के राशन में कटौती करने और विभागीय कार्रवाई से बचने के लिए उनके खिलाफ झूठी शिकायत करने का आरोप लगाया है। रण विजय चौधरी का कहना है कि ग्रामीणों ने कोटेदार पर घटतौली का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री पोर्टल सहित अन्य अधिकारियों से शिकायत की थी, जिसके बाद जांच भी कराई गई। उनका दावा है कि जांच के दौरान उन्होंने ग्रामीणों का सहयोग किया, जिससे नाराज होकर कोटेदार ने उनके खिलाफ कथित रूप से मनगढ़ंत शिकायत दर्ज कराई। प्रधान प्रतिनिधि ने प्रेस वार्ता में कहा कि पुलिस जांच में उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों के समर्थन में कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिले। उन्होंने आरोप लगाया कि कोटेदार कार्रवाई से बचने और राशन वितरण में अनियमितता जारी रखने के उद्देश्य से उन्हें बदनाम करने का प्रयास कर रहा है।

अतिथियों के सम्मान का शौचालय बना उपेक्षा का शिकार

» पूर्व सांसद निधि से बनी सेप्टिक टंकी मिट्टी से पटवाने का आरोप
» जटहां बाजार के जूनियर हाई स्कूल का मामला, जिलाधिकारी से स्थलीय जांच और टंकी बहाल कराने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कुशीनगर। जनपद के विकास खंड विशुनपुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत जटहां बाजार स्थित जूनियर हाई स्कूल परिसर में पूर्व सांसद राजेश उर्फ गुड्डू पांडेय की सांसद निधि से वर्ष 2015-16 में निर्मित दो सीटों वाले शौचालय की सेप्टिक टंकी को मिट्टी से पटवा दिए जाने का आरोप ग्राम प्रधान पर लगाया गया है। मामले को लेकर समाजसेवी प्रमोद रौनियार ने जिलाधिकारी से जांच कराकर टंकी की मरम्मत एवं पुनर्स्थापना की मांग की है। समाजसेवी प्रमोद रौनियार का कहना है कि उक्त शौचालय का निर्माण विद्यालय परिसर में आयोजित शादी-विवाह, चुनाव ड्यूटी पर आने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा अन्य सार्वजनिक आयोजनों में अतिथियों की सुविधा को ध्यान में रखकर कराया गया था। आरोप है कि वर्तमान ग्राम प्रधान मोहन कुशवाहा ने बिना किसी औचित्य के शौचालय की सेप्टिक टंकी को मिट्टी से भरवा दिया, जिससे शौचालय पूरी तरह अनुपयोगी हो गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शिकायत किए जाने पर समाधान करने के बजाय दबंगईपूर्ण व्यवहार किया गया। रौनियार का कहना है कि विद्यालय परिसर में ग्राम पंचायत एवं शिक्षा विभाग की ओर से बने अन्य कई शौचालय पहले से ही उपयोग के अभाव या खराब रखरखाव के कारण बेकार पड़े हैं। ऐसे में यह एकमात्र उपयोगी शौचालय भी निष्प्रभावी हो जाने से सार्वजनिक कार्यक्रमों में आने वाले अतिथियों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। समाजसेवी ने जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष स्थलीय जांच कराने, जिम्मेदारी तय करने तथा शौचालय की टंकी की मरम्मत एवं पुनर्स्थापना कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में विद्यालय परिसर में होने वाले चुनाव, सरकारी कार्यक्रमों एवं अन्य आयोजनों के दौरान लोगों को आवश्यक सुविधा उपलब्ध हो सके।

पुलिस मुठभेड़ में ढेर हुआ एक लाख का इनामी बदमाश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश एसटीएफ और गोरखपुर की खोराबार पुलिस ने सोमवार देर रात संयुक्त अभियान में एक लाख रुपये के इनामी बदमाश मुस्तफिजुल रहमान उर्फ बाबू को मुठभेड़ में मार गिराया। रामनगर-कड़जहां फोरलेन पर हुई इस कार्रवाई के दौरान बदमाश की गोली लगने से एसटीएफ के मुख्य आरक्षी महेंद्र सिंह घायल हो गए। उनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस के अनुसार मुस्तफिजुल रहमान, निवासी खुंदनपुर (थाना मेहनगर, आजमगढ़), लंबे समय से फरार था। उसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, आपराधिक षड्यंत्र, धमकी, चोरी और पुलिस हिरासत से फरार होने सहित करीब दस गंभीर मुकदमे दर्ज थे। उसकी गिरफ्तारी पर शासन ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

एसटीएफ को सूचना मिली थी कि आरोपी सोमवार रात कुशीनगर की ओर आने वाला है। सूचना के आधार पर एसटीएफ और खोराबार पुलिस ने रामनगर-कड़जहां फोरलेन पर घेराबंदी की। रात करीब 11 बजे संदिग्ध बाइक सवार को रोकने का प्रयास किया गया तो उसने पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में मुस्तफिजुल गंभीर रूप से घायल हो गया। जिला अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ स्थल से पुलिस ने .32 बोर की पिस्टल, एक मोटरसाइकिल तथा बड़ी संख्या में जिंदा और खोखा कारतूस बरामद किए हैं।

बरामदगी के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के मुताबिक मुस्तफिजुल वर्ष 2021 में पूर्व बसपा प्रत्याशी कलामुद्दीन खान उर्फ कमालू की हत्या का मुख्य आरोपी और साजिशकर्ता था। जांच में उसके तार दुबई में सक्रिय अपराधियों तथा मुख्तार अंसारी गैंग से भी जुड़े पाए गए थे। एसटीएफ के अनुसार वह दिसंबर 2024 में गुजरात से आजमगढ़ लाते समय महाराष्ट्र के अमरावती रेलवे स्टेशन के पास चलती ट्रेन से कूदकर फरार हो गया था। फरारी के बाद वह लगातार ठिकाने बदलता रहा। अब एसटीएफ उसके आपराधिक नेटवर्क, सहयोगियों और आर्थिक स्रोतों की भी जांच कर रही है।

गोंडा में प्रशासनिक फेरबदल: चार एसडीएम बदले, तीन नए अधिकारी तैनात

गोंडा। जिले में तैनात कर्नलगंज व मनकापुर समेत चार एसडीएम का गैर जनपद तबादला हो गया है। वहीं, तीन नए एसडीएम की तैनाती हुई है। तरबगंज व कटराबाजार में नए बीडीओ की तैनाती हुई है। शासन ने रविवार की देररात एसडीएम के तबादले किए हैं। अतिरिक्त उप जिलाधिकारी विश्वामित्र सिंह को सिद्धार्थनगर, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट व नगर पालिका परिषद गोंडा के ईओ विशाल कुमार को सोनभद्र, कर्नलगंज एसडीएम नेहा मिश्रा को आजमगढ़ व मनकापुर के एसडीएम अवनीश त्रिपाठी को महाराजगंज जिले के लिए स्थानांतरित किया गया है। वहीं, जिले में तीन नए एसडीएम भी आए हैं। इटावा से कुमार सत्यमजीत, बरेली से उदित पंवार व स्थानीय निकाय निदेशालय से सविता शुक्ला को जिले में नई तैनाती मिली है। वहीं, तरबगंज में तैनात बीडीओ मानूलाल यादव को जिला विकास अधिकारी के कार्यालय से संबद्ध किया गया है। वह 31 जुलाई को सेवाकाल पूरा करके सेवानिवृत्त हो जाएंगे। नवागत बीडीओ सुष्मिता यादव को तरबगंज व आकांक्षा सिंह को कटराबाजार ब्लाक में नई तैनाती मिली है।

गोंडा में विकास कार्यों में लापरवाही पर बड़ी कार्रवाई

गोंडा। विकास कार्यक्रमों की प्रगति खराब होने, फैमिली आईडी व फार्मर रजिस्ट्री न बनवाने व ग्राम पंचायतों में उपस्थित न रहने की शिकायत पर ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के जिला महामंत्री समेत तीन ग्राम पंचायत अधिकारियों से गांव का चार्ज छीन लिया गया है। डीपीआरओ जीडी जैन ने मुजेहना में तैनात ग्राम पंचायत अधिकारी व संघ के जिला महामंत्री नौशाद अहमद अंसारी, इटियाथोक में तैनात ग्राम पंचायत अधिकारी दिलीप कुमार उपाध्याय, पंड़रीकृपाल में तैनात ग्राम पंचायत अधिकारी अवधेश कुमार पांडेय को ब्लाक से हटाकर अपने कार्यालय से संबद्ध कर दिया है। संबंधित कर्मचारियों को कार्यमुक्त करने के लिए बीडीओ को पत्र भेजा गया है।

ऑडिट आपत्ति का निस्तारण न होने पर डीपीआरओ व पटल सहायक को नोटिस

कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम प्रियंका निरंजन ने ऑडिट आपत्तियों के निस्तारण की समीक्षा की। जिले में 150 से अधिक ग्राम पंचायतों की ऑडिट आपत्ति लंबित पाई गई। डीएम ने शिथिल पर्यवेक्षण के लिए डीपीआरओ जीडी जैन व पटल सहायक को कारण बताओ नोटिस जारी की है।

गोला के बेवरी चौराहे पर चाय की दुकान में बड़ी चोरी

» ताला तोड़ 50 हजार की नकदी व CCTV डीवीआर ले उड़े चोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

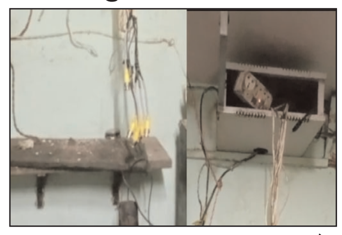

गोलाबाजार, गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के बेवरी चौराहे पर सोमवार रात चोरों ने एक चाय की दुकान को निशाना बनाते हुए ताला तोड़कर करीब 50 हजार रुपये की नकदी और सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर चोरी कर लिया। वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। खास बात यह रही कि चोर अपने पीछे सबूत न छूटे, इसके लिए दुकान में लगा सीसीटीवी डीवीआर भी साथ ले गए, जिससे पुलिस के सामने जांच की चुनौती बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, बेवरी चौराहा निवासी प्रभुनाथ पुत्र स्वर्गीय रामबदन की चाय की दुकान चौराहे पर स्थित है। पीड़ित ने गोला थाने में दी गई तहरीर में बताया कि 13 जुलाई की रात अज्ञात चोर दुकान का ताला तोड़कर अंदर घुस गए। चोरों ने दुकान के गल्ले में रखे लगभग 50 हजार रुपये नकद समेट लिए और वहां लगा सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी उखाड़कर अपने साथ ले गए। घटना की जानकारी मंगलवार सुबह उस समय हुई जब प्रभुनाथ रोज की तरह दुकान खोलने पहुंचे। दुकान का टूटा ताला और अंदर बिखरा सामान देखकर उनके होश उड़ गए। गल्ले से नकदी गायब थी और सीसीटीवी डीवीआर भी नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने तत्काल गोला पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की। पुलिस आसपास लगे अन्य प्रतिष्ठानों और रास्तों के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में जुट गई है, ताकि चोरों का सुराग लगाया जा सके। पीड़ित प्रभुनाथ ने बताया कि चोरी से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। उन्होंने पुलिस से एफआईआर दर्ज कर चोरी गई नकदी और डीवीआर बरामद करने के साथ ही दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। बेवरी चौराहे पर हुई इस वारदात ने स्थानीय व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है। व्यापारियों का कहना है कि लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल गोला पुलिस मामले की जांच में जुटी है और अज्ञात चोरों की तलाश के लिए विभिन्न पहलुओं पर छानबीन कर रही है।

खजनी के निजी स्कूलों पर मनमानी के आरोप

» महंगी किताबों और तय दुकानों से खरीदारी को मजबूर अभिभावक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी, गोरखपुर। शिक्षा का अधिकार और नई शिक्षा नीति बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं किफायती शिक्षा उपलब्ध कराने की बात करती है, लेकिन खजनी तहसील क्षेत्र के कई निजी विद्यालयों पर इन नियमों की अनदेखी कर अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने के आरोप लग रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि स्कूल प्रबंधन एनसीईआरटी की पुस्तकों के बजाय निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें, कॉपियां, ड्रेस और अन्य सामग्री निर्धारित दुकानों से खरीदने के लिए दबाव बना रहे हैं। शिक्षा विभाग के निर्देशों के अनुसार विद्यालयों में एनसीईआरटी आधारित पाठ्यक्रम को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, लेकिन कई स्कूलों में एक या अधिक निजी प्रकाशकों की किताबें अनिवार्य कर दी गई हैं। अभिभावकों का आरोप है कि इन पुस्तकों को केवल स्कूल द्वारा तय दुकानों से ही खरीदना पड़ता है, जिससे उन्हें अधिक कीमत चुकानी पड़ती है।

अभिभावकों के अनुसार पहली-दूसरी कक्षा तक की किताबों का सेट करीब 2500 से 3000 रुपये, जबकि छठी से आठवीं तक का सेट 4000 से 5000 रुपये तक का पड़ रहा है। इसके अलावा कॉपी, स्कूल ड्रेस, टाई, बेल्ट, जूते और बैग भी निर्धारित दुकानों से ही लेने के लिए कहा जाता है, जिससे खर्च कई गुना बढ़ जाता है। नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर कई अभिभावकों ने बताया कि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने के डर से वे खुलकर विरोध नहीं कर पाते। उनका कहना है कि यदि स्कूल की मनमानी के खिलाफ आवाज उठाई जाए तो बच्चे के साथ भेदभाव होने की आशंका बनी रहती है, इसलिए मजबूरी में अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है।

एक स्थानीय दुकानदार ने भी नाम न छापने की शर्त पर बताया कि किताबों की उपलब्धता और कीमतें काफी हद तक स्कूल प्रबंधन और प्रकाशकों के बीच तय होती हैं। दुकानदार केवल बिक्री का माध्यम होते हैं। हर नए शैक्षणिक सत्र में यही स्थिति देखने को मिलती है। स्कूलों की ओर से

अभिभावकों को पर्ची देकर विशेष दुकानों से ही किताबें और अन्य सामग्री खरीदने के लिए कहा जाता है। अभिभावकों का आरोप है कि इससे प्रतिस्पर्धा समाप्त हो जाती है और उन्हें उचित मूल्य पर सामान खरीदने का विकल्प नहीं मिलता। इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक (माध्यमिक) ने बताया कि निजी विद्यालयों द्वारा मनमानी की शिकायतें मिली हैं। विभाग ने इसे गंभीरता से लेते हुए स्कूलों को शासन के निर्देशों का पालन करने के आदेश दिए हैं। साथ ही चेतावनी दी गई है कि रैंडम जांच कराई जाएगी और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित विद्यालयों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गोरखपुर: सहजनवां अंडरपास की कम चौड़ाई पर भड़के ग्रामीण

» निर्माण स्थल पर प्रदर्शन; सांसद रवि किशन को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवा, गोरखपुर। सहजनवा-दोहरीघाट रेलवे लाइन परियोजना के तहत बनगांवा-फरसाडाड मार्ग पर बनाए जा रहे निर्माणाधीन अंडरपास की चौड़ाई और ऊंचाई बढ़ाने की मांग को लेकर सोमवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। दर्जनों गांवों के सैकड़ों ग्रामीण निर्माण स्थल पर एकत्र हुए और जोरदार प्रदर्शन करते हुए चेतावनी दी कि यदि अंडरपास का डिजाइन नहीं बदला गया तो क्षेत्र के लोगों को वर्षों तक भारी परेशानी झेलनी पड़ेगी। इस संबंध में ग्रामीणों ने सदर सांसद रवि किशन को ज्ञापन सौंपकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि रेलवे द्वारा बनाया जा रहा अंडरपास वर्तमान स्वरूप में क्षेत्र की जरूरतों के अनुरूप नहीं है। इसकी चौड़ाई और ऊंचाई इतनी कम रखी जा रही है कि भारी वाहन आसानी से नहीं निकल पाएंगे। बनगांवा, फरसाडाड, भरसाड समेत एक दर्जन से अधिक गांवों के हजारों लोगों का रोजाना इसी मार्ग से आवागमन होता है। किसानों की उपज, व्यापारिक गतिविधियां और ग्रामीणों का दैनिक आवागमन भी इसी रास्ते पर निर्भर है।

ग्रामीणों ने बताया कि भरसाड गांव में सरकारी गोदाम स्थित है, जहां अनाज और अन्य आवश्यक सामग्री लेकर बड़े ट्रक नियमित रूप से पहुंचते हैं। यदि अंडरपास संकरा और कम ऊंचाई वाला बना, तो ट्रकों का आवागमन बाधित हो जाएगा। इसका सीधा असर किसानों, व्यापारियों और आम लोगों पर पड़ेगा। उनका कहना है कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अंडरपास का निर्माण किया जाना चाहिए, ताकि आने वाले वर्षों में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने रेलवे प्रशासन से निर्माण कार्य की समीक्षा कर अंडरपास की चौड़ाई और ऊंचाई बढ़ाने की मांग की। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का उद्देश्य जनता को सुविधा देना है, न कि नई परेशानियां खड़ी करना। यदि समय रहते डिजाइन में संशोधन नहीं किया गया तो ग्रामीण आंदोलन को और व्यापक रूप देंगे। प्रदर्शन में श्याम मिश्र, दिनेश उपाध्याय, विपिन शुक्ल, भोलू तिवारी, सुग्रीव यादव, लहर यादव, कृपाशंकर, शिवकुमार सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने सांसद से मांग की कि वे रेलवे अधिकारियों से वार्ता कर जनहित में अंडरपास का डिजाइन संशोधित कराएं, ताकि क्षेत्र की वर्षों पुरानी आवागमन की सुविधा प्रभावित न हो।

डीएम ने रूद्रपुर क्षेत्र के तटबंधों व कटानरोधी कार्यों का किया निरीक्षण

» तटबंधों पर निगरानी के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रूद्रपुर, देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने मंगलवार को तहसील रुद्रपुर क्षेत्र अंतर्गत बाढ़ तटबंधों सहित कटानरोधी निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संभावित बाढ़ को दृष्टिगत रखते हुए सभी तैयारियां पूर्ण रखी जाएं। आवश्यक सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही बाढ़ विभाग एवं अन्य संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्ययोजना तैयार रखते हुए उसका प्रभावी क्रियान्वयन करें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी सबसे पहले पिड़रा पुल पहुंचे, जहां बाढ़ विभाग द्वारा स्थापित गेज का अवलोकन किया तथा आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने पिड़रा पुल के समीप स्थापित बाढ़ चौकी का भी निरीक्षण किया। रिजर्व स्टाफ की तैनाती एवं स्टोर में उपलब्ध बाढ़रोधी सामग्री के संबंध में जानकारी ली। बताया गया कि वर्तमान में स्टोर में जियो बैग, गौवियन नायलॉन क्रेट, जियो क्रेट आदि आवश्यक सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। इसके पश्चात जिलाधिकारी पचलड़ी तटबंध स्थित ग्राम बेलवा में कटानरोधी परियोजना का निरीक्षण किया।

निरीक्षण में पाया गया कि कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है तथा केवल फिनिशिंग कार्य शेष है। उन्होंने अधिशासी अभियंता बाढ़ राधेश्याम प्रसाद को दो दिन के भीतर शेष कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पलिया छपरा तटबंध के नारायणपुर गांव के निकट 4 करोड़ 53 लाख रुपये लागत की निर्माणाधीन कटानरोधी परियोजना का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने बाढ़ से संबंधित सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि तटबंधों पर सतत निगरानी एवं चौकसी बनाए रखें। आवश्यक सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहे।निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता बाढ़ राधेश्याम प्रसाद, सहायक अभियंता संजय कुमार सिंह, जूनियर इंजीनियर अरविंद कुमार, विवेक रौनियार, विकास पाठक, तहसीलदार रुद्रपुर सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

किसानों को समय पर मिले सिंचाई जल, खाद और बीज: गजेन्द्रमणि त्रिपाठी

सिंचाई बन्धु बैठक में कम वर्षा की आशंका के बीच नहरों से अधिक जलापूर्ति और उर्वरक उपलब्धता पर जोर

बस्ती। विकास भवन सभागार में उपाध्यक्ष सिंचाई बन्धु गजेन्द्रमणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित सिंचाई बन्धु की बैठक में किसानों को समय पर सिंचाई जल, खाद और बीज उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग द्वारा खरीफ सीजन में सामान्य से कम वर्षा का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है, इसलिए नहरों के माध्यम से अधिक से अधिक सिंचाई जल उपलब्ध कराकर किसानों की सहायता सुनिश्चित की जाए। बैठक में सरयू नहर खंड-4 के अधिशासी अभियंता दिनेश मोहन ने बताया कि जनपद में 360 क्यूसेक क्षमता से नहरों में पानी छोड़ा गया है तथा 39 टेल फीडिंग कर किसानों तक सिंचाई जल पहुंचाने का प्रयास किया गया है। उप निदेशक कृषि अशोक कुमार ने बताया कि डीबीटी के माध्यम से पंजीकृत किसानों को अरहर, सांवा और धान के बीज वितरित किए जा रहे हैं। साथ ही आत्मा योजना के तहत धान बीज का वितरण और मोटे अनाज के रकबे को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उर्वरक लक्ष्य का लगभग 50 प्रतिशत वितरण हो चुका है और जिले में खाद की कोई कमी नहीं है।

नेपाल में भारी बारिश के बाद बघेला नाला उफान पर

क्षेत्र के दर्जनों गांवों में धान की फसल डूबने का खतरा, किसानों की बढ़ी चिंता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही लगातार भारी बारिश के कारण भारत-नेपाल सीमा से सटे नौतनवा ब्लॉक क्षेत्र में बहने वाले बघेला नाले का जलस्तर सोमवार की रात से अचानक तेजी से बढ़ने लगा है। बघेला नाले में आए इस उफान ने सीमावर्ती गांव रेहरा, परसा, बेलभार, मनिकौरा, शंकरपुर, निपनिया, विषखोप, शिवपुरी, लक्ष्मीपुर, भरटोलिया, जिगिना, श्रीरामपुर, गंगापुर, गंगवलिया, करौता, सिरसिया मशर्की, बरनहवां, गंगवलिया चुड़िहारी, पिपरवास, मनिकापुर, चकदह और शाहपुर सहित दर्जनों गांवों के किसानों की धड़कनें बढ़ा दी है।

हर साल भीषण तबाही मचाने वाले इस नाले के बढ़ते जलस्तर को देखकर क्षेत्र के किसानों को अपनी मेहनत से लगाई गई धान की फसल के जलमग्न होकर बर्बाद होने की चिंता सताने लगी है। स्थानीय किसान महबूब अली, गतिराम साहनी, रामबचन यादव, रामबेलास यादव, जयप्रकाश सिंह, शमशाद खान, विजय कुमार, शफात अहमद और उस्मान खान आदि ने बताया कि नाले की समय से सफाई न होने के कारण उसमें भारी मात्रा में झाड़-झंखाड़ और सिल्ट जमा है। इस रुकावट की वजह से पहाड़ी पानी का निकास तेजी से नहीं हो पाता और नाला ओवरफ्लो होकर सीधे किसानों के खेतों में फैल जाता है। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए तत्काल बचाव के इंतजाम किए जाएं और जलजमाव से फसलों को बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि क्षेत्र को एक बार फिर बड़ी आर्थिक तबाही से बचाया जा सके।

पुरानी रंजिश में मेडिकल स्टोर संचालक पर जानलेवा हमला

» चाकू से गोदकर किया लहूलुहान; तीन नामजद, गिरफ्तारी को चार टीमें गठित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश ने सोमवार देर रात खूनी रूप ले लिया। मेडिकल स्टोर संचालक पर घर लौटते समय घात लगाकर बैठे हमलावरों ने चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बाद में परिजनों ने उसे शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, सहजनवा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत विडार निवासी सुमित सिंह, पुत्र राम बहाल सिंह, चड़राव चौराहे पर मेडिकल स्टोर संचालित करते हैं। रोज की तरह वह देर शाम दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहे थे। आरोप है कि रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे युवकों ने उन्हें रोक लिया और देखते ही देखते धारदार चाकू से हमला बोल दिया। हमले में सुमित गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। खून से लथपथ सुमित को तत्काल सीएचसी ठर्रापार ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर बताते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें गोरखपुर शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। घायल के भाई आर्यन सिंह ने बताया कि करीब दस दिन पहले गांव से गई एक बारात में सुमित का कुछ युवकों से विवाद हो गया था। उसी विवाद की रंजिश में यह हमला किया गया है। परिवार का आरोप है कि हमलावर पहले से साजिश के तहत रास्ते में घात लगाए बैठे थे और मौका मिलते ही जान लेने की नीयत से हमला किया। घटना की सूचना पर सहजनवा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। सीओ गिडा का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार विशेष टीमें गठित की गई हैं। संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है और जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है, जबकि पुलिस एहतियात के तौर पर क्षेत्र में निगरानी बढ़ाए हुए है।

किताबों से नहीं, साइबर ठगी से भविष्य लिखने निकला B.Sc. छात्र गिरफ्तार

» फर्जी लोन ऐप गिरोह का पर्दाफाश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। पढ़ाई कर करियर बनाने की उम्र में आसान कमाई का लालच दो युवकों को अपराध की दुनिया में ले गया। गोरखपुर पुलिस ने फर्जी लोन ऐप के जरिए देशभर के लोगों से साइबर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें 22 वर्षीय मनजीत कुमार, जो बीएससी द्वितीय वर्ष का छात्र है, और 23 वर्षीय विजय विश्वकर्मा, जो इंटरमीडिएट व आईटीआई पास है, शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, मनजीत सोशल मीडिया पर फर्जी लोन कंपनी के नाम से पेज और मोबाइल ऐप संचालित करता था। ऐप के माध्यम से लोगों को कम ब्याज पर तत्काल लोन देने का झांसा दिया जाता था। आवेदन करने वाले लोगों से रजिस्ट्रेशन, प्रोसेसिंग और इंश्योरेंस फीस के नाम पर ऑनलाइन रकम जमा कराई जाती, लेकिन न तो लोन मिलता और न ही जमा धन वापस किया जाता। इस तरह देशभर के अनेक लोग साइबर ठगी का शिकार बने।

पूरे नेटवर्क में विजय विश्वकर्मा की भूमिका भी बेहद अहम थी। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि वह 10 प्रतिशत कमीशन लेकर लोगों के बैंक खाते खुलवाता था। उसने अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और परिचितों के नाम पर बड़ी संख्या में खाते खुलवाए, जिनमें ठगी की रकम मंगाई जाती थी। बाद में एटीएम के जरिए नकदी निकालकर गिरोह के सदस्यों में बांट दी जाती थी। लगातार साइबर अपराध में इस्तेमाल होने के कारण कई बैंक खातों को जांच एजेंसियों ने फ्रीज कर दिया है। इससे वे लोग भी मुश्किल में पड़ गए हैं, जिन्होंने लालच या लापरवाही में अपने खाते गिरोह के इस्तेमाल के लिए उपलब्ध करा दिए थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, सिम कार्ड, बैंकिंग दस्तावेज और नकदी बरामद की है। दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस

कार्रवाई को कोतवाली थाना प्रभारी छत्रपाल सिंह के नेतृत्व में अंजाम दिया गया। टीम में उपनिरीक्षक सौरभ मौर्य, उपेन्द्र सिंह (साइबर कमांडो), आकाश सिंह, महिला उपनिरीक्षक संध्या मौर्य, मुख्य आरक्षी शशिकांत जायसवाल, आरक्षी पंकज गुप्ता, संदीप चौहान, अक्षय चौहान, संजीत यादव, अवनीश कुमार, महिला आरक्षी अरीक्षा मौर्य तथा साक्षी यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति को अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड या ओटीपी उपलब्ध न कराएं। थोड़े से लालच में उठाया गया ऐसा कदम न केवल आर्थिक नुकसान पहुंचा सकता है, बल्कि कानूनी कार्रवाई का कारण भी बन सकता है।

संपादकीय

ये कैसा युद्धविराम?

लग रहा था कि अब सब कुछ ठीक हो रहा है, सब कुछ पहले जैसा ही हो रहा है। दुनिया पटरी पार आ रही है लेकिन तभी तनाव और बढ़ा, इसके साथ ही अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध फिर से शुरू हो गया। दुनिया के लोग डरे हैं कि अब आगे क्या होगा। युद्धविराम का उद्देश्य किसी भी संघर्ष को समाप्त कर शांति की दिशा में आगे बढ़ना होता है, लेकिन जब युद्धविराम के कुछ ही समय बाद गोलियां और मिसाइलें फिर चलने लगें तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर यह कैसा युद्धविराम था। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर बढ़ी सैन्य कार्रवाई ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। मध्य-पूर्व पहले से ही अस्थिरता का केंद्र रहा है और अब दोनों देशों के बीच फिर से शुरू हुई सैन्य गतिविधियों ने वैश्विक राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा और विश्व अर्थव्यवस्था पर नए संकट के बादल खड़े कर दिए हैं। हालिया घटनाक्रम में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर युद्धविराम तोड़ने का आरोप लगाया है और सैन्य अभियान दोबारा शुरू होने की पुष्टि भी की है। विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम मूल समस्याओं का समाधान नहीं कर सका। परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों में राहत, होरमुज़ जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर दोनों देशों के बीच मतभेद बने रहे। समझौते में कई बिंदु ऐसे थे जिनकी व्याख्या दोनों पक्ष अपने-अपने तरीके से कर रहे थे। यही कारण रहा कि कुछ ही सप्ताह में तनाव दोबारा बढ़ गया। अमेरिका का आरोप है कि ईरान ने समझौते की शर्तों का उल्लंघन करते हुए समुद्री मार्गों और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया। दूसरी ओर ईरान का कहना है कि अमेरिका ने आर्थिक प्रतिबंधों और अन्य प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं किया तथा उसकी सैन्य गतिविधियां लगातार जारी रहीं। दोनों देशों के इन आरोपों ने विश्वास की बची-खुची नींव भी कमजोर कर दी। होरमुज़ जलडमरूमध्य बना तनाव का केंद्र- दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में शामिल होरमुज़ जलडमरूमध्य इस विवाद का प्रमुख केंद्र बन चुका है। यहां किसी भी प्रकार का सैन्य तनाव वैश्विक तेल आपूर्ति को प्रभावित करता है। हालिया घटनाओं के बाद इस क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां बढ़ी हैं, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता देखने को मिली। पूरी दुनिया पर असर- अमेरिका और ईरान का संघर्ष केवल दो देशों तक सीमित नहीं है। इसका असर पूरे मध्य-पूर्व पर पड़ता है। खाड़ी देशों की सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक अर्थव्यवस्था सभी इस तनाव से प्रभावित होती हैं। यदि संघर्ष लंबा खिंचता है तो तेल आयात पर निर्भर देशों, विशेषकर भारत जैसे देशों पर भी आर्थिक दबाव बढ़ सकता है। युद्धविराम के बाद अपेक्षा थी कि दोनों देश बातचीत के जरिए स्थायी समाधान की दिशा में आगे बढ़ेंगे। लेकिन बढ़ते अविश्वास और लगातार सैन्य कार्रवाई ने वार्ता की संभावनाओं को कमजोर कर दिया है। कई देशों ने दोनों पक्षों से संयम बरतने और बातचीत फिर शुरू करने की अपील की है, हालांकि फिलहाल स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दोनों देश केवल सैन्य जवाब देने की नीति अपनाते रहे तो संघर्ष और व्यापक हो सकता है। दूसरी ओर यदि मध्यस्थ देशों के प्रयास सफल होते हैं तो फिर से बातचीत का रास्ता खुल सकता है। लेकिन मौजूदा हालात यह संकेत देते हैं कि स्थायी शांति का रास्ता अभी भी काफी कठिन है। अमेरिका और ईरान के बीच फिर शुरू हुई सैन्य कार्रवाई यह दिखाती है कि केवल युद्धविराम की घोषणा पर्याप्त नहीं होती। जब तक मूल विवादों का समाधान नहीं होगा, तब तक किसी भी समझौते की स्थिरता संदिग्ध रहेगी। आज आवश्यकता केवल हथियारों को रोकने की नहीं, बल्कि विश्वास बहाली, प्रभावी कूटनीति और दीर्घकालिक राजनीतिक समाधान की है। अन्यथा हर युद्धविराम कुछ समय बाद एक नए युद्ध की प्रस्तावना बनता रहेगा।

राजीव शुक्ला -(संपादक)

वारंटी के दौरान टायर खराब होने पर हर्जाने का हक

आपने अगर नई कार खरीदी है या अपनी पुरानी कार में नये टायर डलवाए हैं, तब आप बेफिक्र होकर सड़कों पर अपनी कार दौड़ा सकते हैं। क्योंकि आपको कार के साथ-साथ उसके टायरों की भी निर्धारित समयावधि के लिए वारंटी मिली हुई है। लेकिन टायर वारंटी का वह सच भी जान लेना आवश्यक है, जिसे टायर कंपनियां अक्सर छिपा लेती हैं। कुछ ऐसी वारंटी कंडीशंस इन कम्पनियों द्वारा दी हुई होती हैं, जिनके जरिए नए टायरों की गारंटी काम नहीं करती और जब शोरूम पर टायर चेंज के लिए पहुंचते हैं तो उपभोक्ता को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है ।वास्तव में अगर आपकी कार या मोटरसाइकिल का टायर चलते-चलते घिस गया है, तो कंपनी एक पैसा नहीं देती, वारंटी सिर्फ उत्पादीय यानी प्रोडक्शन त्रुटि पर मिलती है। अगर टायर फूल जाए या रबड़ अपने आप छोड़ने लगे, तभी आप टायर की खराब गुणवत्ता को लेकर उपभोक्ता आयोग में परिवाद दायर कर क्लेम प्राप्त कर सकते हैं।

अगर सड़क पर चलते समय किसी पत्थर या नुकीली चीज से टायर कट गया है, तो इसे यूजर डैमेज माना जाता है,कंपनियां इसे वारंटी के दायरे से बाहर रखती हैं। यानी सड़क खराब थी या आपने गड्ढे में गाड़ी कुदा दी, तो टायर वारंटी अवधि में होते हुए भी न बदले जाएंगे और न ही ठीक किये जायेंगे ।कुछ टायर कम्पनियां अनकंडीशनल वारंटी का वादा करती हैं। सुनने में ये बहुत अच्छा लगता है कि कुछ भी हो जाए टायर बदल देंगे, ऐसे में कंपनी टायर तो बदल देगी, लेकिन आपसे प्रो-राटा बेस पर यानी समानुपात में पैसे लेगी। अगर आपका टायर 50 प्रतिशत घिस चुका है और तब खराब हुआ, कंपनी आपको नया टायर देगी, लेकिन आपसे नए टायर की आधी कीमत वसूलेगी. यानी जितना इस्तेमाल कर लिया, उतने पैसे आपको देने ही होंगे।

मेष -मेष राशि मेष राशि के जातकों के लिए दिन आत्मविश्वास और कार्यक्षमता से भरपूर रह सकता है। व्यापार और नौकरी में रुके हुए कार्य गति पकड़ सकते हैं, जबकि विद्यार्थियों को भी सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है।

वृषभ -वृषभ राशि के लोगों को आर्थिक मामलों में सतर्कता के साथ आगे बढ़ना होगा। कार्यक्षेत्र में सहयोग मिलेगा और परिवार से जुड़ी कोई अच्छी खबर मन प्रसन्न कर सकती है।

मिथुन -मिथुन राशि के जातकों के लिए दिन अनुकूल रहने के संकेत हैं। व्यापार, नौकरी और व्यक्तिगत जीवन में प्रगति के अवसर मिल सकते हैं तथा नए कार्यों की शुरुआत के लिए समय अच्छा रहेगा।

कर्क -कर्क राशि के लोगों को सोच-समझकर निर्णय लेने की आवश्यकता है। कार्यस्थल और आर्थिक मामलों में लापरवाही से बचें तथा अनावश्यक विवादों से दूरी बनाए रखें।

सिंह -सिंह राशि के जातकों के लिए दिन लाभदायक रह सकता है। कारोबार में नए अवसर मिलेंगे और नौकरी में वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होने की संभावना है।

कन्या-कन्या राशि के लोगों को कार्यक्षेत्र में सफलता मिल सकती है। व्यापार में विस्तार के अवसर बनेंगे और परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

तुला -तुला राशि के जातकों के लिए भाग्य का साथ मिलने के संकेत हैं। नौकरी और व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं तथा पुराने अटके कार्य पूरे होने की संभावना है।

वृश्चिक-वृश्चिक राशि के लोगों को आर्थिक और व्यावसायिक मामलों में विशेष सावधानी बरतनी होगी। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय नुकसान का कारण बन सकता है।

धनु -धनु राशि के जातकों के लिए दिन व्यापार और करियर के लिहाज से अच्छा रह सकता है। नए संपर्क भविष्य में लाभ दिला सकते हैं और रुके हुए कार्य पूरे होने के योग हैं।

मकर -मकर राशि के लोगों को धैर्य और समझदारी के साथ काम लेना होगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत का लाभ मिलेगा और आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं।

कुंभ-कुंभ राशि के जातकों को कारोबार और नौकरी में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। पुराने रुके हुए भुगतान मिलने की संभावना है और विद्यार्थियों को सफलता मिल सकती है।

मीन -मीन राशि के लोगों को कार्यक्षेत्र में सतर्क रहने की आवश्यकता है। जल्दबाजी में लिए गए निर्णय और अनावश्यक विवादों से बचना लाभदायक रहेगा।

'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' से चमका मेरठ का खेल उद्योग

उत्तर प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य में मेरठ का खेल सामग्री उद्योग हमेशा से एक गौरवशाली अध्याय रहा है। यहाँ के हुनरमंद कारीगरों और उद्यमियों ने क्रिकेट के बल्लों से लेकर एथलेटिक्स के विश्वस्तरीय उपकरणों तक, अपनी अद्वितीय कला का लोहा दुनिया भर में मनवाया है। इस पारंपरिक हुनर को आधुनिकता की रफ्तार देने और वैश्विक पटल पर और अधिक मजबूती से स्थापित करने में प्रदेश सरकार की 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) यानी 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना एक बड़े उत्प्रेरक के रूप में उभरी है। प्रदेश सरकार की इस दूरदर्शी नीति ने मेरठ के खेल उद्योग को न केवल नई वित्तीय संजीवनी प्रदान की है, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के असीम द्वार भी खोल दिए हैं। इधर कुछ वर्षों में बुनियादी ढांचे और वित्तीय सहायता में जो अभूतपूर्व तेजी आई है, उसने इस पूरे क्षेत्र की उत्पादन क्षमता और आर्थिक ताने-बाने को अभूतपूर्व उत्कर्ष प्रदान किया है।

वित्तीय मोर्चे पर ओडीओपी योजना के क्रियान्वयन ने जमीन पर बेहद ठोस और दूरगामी परिणाम दिखाए हैं। पिछले वित्तीय वर्ष के आंकड़ों के अनुसार, खेल सामग्री निर्माण से जुड़े उद्योगों को तीव्र रफ्तार देने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न बैंकिंग संस्थानों के समन्वय से एक सुदृढ़ वित्तीय ढांचा तैयार किया गया। इसके अंतर्गत जिले के लगभग 104 चिन्हित खेल सामग्री उत्पादकों और उद्यमियों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से 135 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत कर वितरित किया गया। इस भारी-भरकम राशि ने छोटे और मझोले स्तर के कारखानों को अपनी उत्पादन तकनीक को आधुनिक बनाने तथा कच्चे माल की उपलब्धता को सुचारू करने में अभूतपूर्व मदद की है। इसके साथ ही, इन लाभार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशासन द्वारा करीब 12 करोड़ रुपये की भारी सब्सिडी (अनुदान सहायता) सीधे प्रदान की गई, जिसने उद्यमियों के ऊपर से कर्ज के बोझ को काफी कम कर दिया है। इस बड़े पैमाने पर मिली वित्तीय मदद का सीधा सकारात्मक असर मेरठ के औद्योगिक मानचित्र पर दिखाई देने लगा है। करीब 104 स्वीकृत आवेदनों के माध्यम से खेल सामग्री क्षेत्र में व्यापक स्तर पर औद्योगिक विस्तार हुआ है। वित्तीय सहायता के बल पर जिले में पहले से संचालित 100 से अधिक औद्योगिक इकाइयों ने अपनी क्षमता का विस्तार करते हुए नई मशीनें स्थापित की हैं और आधुनिक तकनीक को अपनाया है। इसके समानांतर, प्रदेश सरकार द्वारा निर्मित इस अनुकूल माहौल से प्रेरित होकर क्षेत्र में लगभग 80 नए सूक्ष्म और लघु उद्योगों की सफल स्थापना हुई है। नए उद्यमों के आगमन से बाजार में एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित हुई है और निर्यात की जाने वाली सामग्रियों की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। ओडीओपी योजना ने पारंपरिक रूप से चले आ रहे पारिवारिक व्यवसायों को कॉर्पोरेट रूप में ढलने और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उत्पाद तैयार करने की दिशा में एक नया हौसला और सामर्थ्य दिया है। इस सफलता की निरंतरता को और आगे ले जाने के लिए प्रदेश सरकार ने चालू सत्र के लिए और भी बड़े और महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं। खेल सामग्री उद्योग की बढ़ती मांग और उत्पादकों के भारी उत्साह को देखते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष में अनुदान की कुल राशि को बढ़ाकर 14.5 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य तय किया गया है। इस वित्तीय वर्ष में योजना का दायरा भी काफी विस्तृत किया जा रहा है, जिसके तहत लगभग 360 नए और पुराने उद्यमियों को सीधे तौर पर लाभान्वित करने की कार्ययोजना बनाई गई है। इस नीति के अंतर्गत ऋण लेने वाले उद्यमियों को कुल परियोजना लागत पर 20 से 25 प्रतिशत तक की बड़ी सब्सिडी दी जाएगी, जिसकी अधिकतम सीमा 20 लाख रुपये तक तय की गई है। इस कल्याणकारी व्यवस्था से नए स्टार्टअप और युवा उद्यमियों को बिना किसी बड़े आर्थिक-मानसिक दबाव के बाजार में उतरने की बेहतरीन सहूलियत मिल रही है। प्रशासनिक स्तर पर इस पूरी प्रक्रिया को बेहद पारदर्शी, त्वरित और सुलभ बनाया गया है ताकि वास्तविक कारीगरों और उद्यमियों को बिना किसी बाधा के शत-प्रतिशत लाभ मिल सके। जिला प्रशासन के स्तर पर आवेदनों की गहन स्क्रूटनी की जाती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सहायता सही हकदार तक पहुँच रही है। सिंगल विंडो सिस्टम और बैंकों के साथ बेहतर समन्वय के कारण अब उद्यमियों को ऋण और सब्सिडी के लिए लंबी औपचारिकताओं से मुक्ति मिल गई है। उद्यमी अपनी पसंद और सुगमता के अनुसार किसी भी व्यावसायिक बैंक से ऋण प्राप्त कर इस योजना का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र हैं। प्रशासन की इस सक्रियता और नीतिगत सरलता के कारण ही पिछले वर्ष जनपद मेरठ में प्राप्त हुए कुल 238 आवेदनों में से योग्य पात्रों का चयन कर उन्हें त्वरित गति से मुख्यधारा से जोड़ा जा सका। यह महत्वाकांक्षी योजना केवल उद्योगपतियों को लाभ पहुँचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका एक बड़ा सामाजिक और आर्थिक पहलू स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन से जुड़ा है। जब एक नया उद्योग स्थापित होता है या पुराने उद्योग का विस्तार होता है, तो उससे डिजाइनरों, कारीगरों, पैकेजिंग विशेषज्ञों और लॉजिस्टिक्स से जुड़े सैकड़ों लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष काम मिलता है। मेरठ के खेल उद्योग ने स्थानीय स्तर पर हजारों अकुशल और अर्ध-कुशल श्रमिकों को सम्मानजनक आजीविका प्रदान की है। ओडीओपी योजना के माध्यम से मिल रहे वित्तीय सहयोग ने क्षेत्र से श्रम पलायन को रोकने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है, क्योंकि अब स्थानीय स्तर पर ही बेहतर कार्यदशाएं और उचित पारिश्रमिक उपलब्ध हो रहा है। इसके अतिरिक्त, इस योजना के अंतर्गत शासन द्वारा मिलने वाले विशेष प्रशिक्षण और टूलकिट वितरण कार्यक्रमों ने कारीगरों की कार्यकुशलता और कौशल को निखारने का भी काम किया है। वैश्विक बाजार की बात करें तो मेरठ के बने क्रिकेट बैट, लेदर गेंदे, सुरक्षात्मक गियर और जिम के उपकरण पहले से ही दुनिया के कई देशों में निर्यात किए जाते रहे हैं। लेकिन ओडीओपी योजना के लागू होने के बाद ब्रांडिंग और मार्केटिंग को जो नया सरकारी संरक्षण और आयाम मिला है, उसने अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के बीच मेरठ के उत्पादों की साख को और अधिक पुख्ता कर दिया है। सरकारी स्तर पर आयोजित होने वाले राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों में ओडीओपी के तहत मेरठ के खेल उत्पादों को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाता है, जिससे स्थानीय उत्पादकों को सीधे वैश्विक खरीदार (बायर्स) मिल रहे हैं। इस सीधे जुड़ाव से बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो गई है और वास्तविक लाभ सीधे उत्पादक और कारीगर के बैंक खातों तक पहुँच रहा है, जिससे उनके जीवन स्तर में क्रांतिकारी बदलाव आ रहा है। प्रदेश सरकार के प्रयासों से मेरठ का खेल उद्योग अब पारंपरिक सीमाओं को लांघकर एक आधुनिक, आत्मनिर्भर और वैश्विक रूप ले चुका है। 135 करोड़ रुपये के भारी निवेश और आगामी 14.5 करोड़ रुपये के सब्सिडी लक्ष्यों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में यहाँ की औद्योगिक विकास दर और अधिक तीव्र होने वाली है। सरकार की दूरगामी औद्योगिक नीतियां, जिला प्रशासन का बेहतर क्रियान्वयन और मेरठ के उद्यमियों का अटूट पुरुषार्थ मिलकर एक ऐसे आत्मनिर्भर इकोसिस्टम का निर्माण कर रहे हैं जो आने वाले दशकों तक देश के खेल निर्यात का नेतृत्व करेगा। यह औद्योगिक पुनरुत्थान न केवल उत्तर प्रदेश की वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के सपने को साकार करने में एक मुख्य स्तंभ साबित हो रहा है, बल्कि वैश्विक खेल बाजार में भारत की आत्मनिर्भरता और श्रेष्ठता की एक नई स्वर्णिम इबारत भी लिख रहा है।

जनपद-मेरठ

मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना ने आगरा के किसान श्री मतेन्द्र सेंगर की तकदीर बदली

जनपद आगरा के निवासी श्री मतेन्द्र सेंगर, पिता श्री उदयवीर सिंह, लंबे समय से कृषि एवं पशुपालन से जुड़े रहे हैं। खेती से होने वाली आय परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रमुख आधार थी, लेकिन अन्य छोटे किसानों की तरह उनके सामने भी आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने की चुनौती थी। ऐसे समय में उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार की मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना की जानकारी मिली। योजना के अंतर्गत चयनित होने के बाद उन्होंने आधुनिक डेयरी व्यवसाय की दिशा में कदम बढ़ाया और यही निर्णय उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। वर्ष 2024-25 में उन्होंने योजना के अंतर्गत 23.60 लाख रुपये की लागत से आधुनिक डेयरी इकाई स्थापित की।

उत्तर प्रदेश में कृषि और पशुपालन सदियों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था के दो मजबूत आधार रहे हैं। जहां खेती किसानों की आजीविका का प्रमुख साधन है, वहीं डेयरी व्यवसाय उन्हें नियमित आय का स्थायी स्रोत उपलब्ध कराता है। बदलते समय के साथ कृषि को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनाने के लिए आवश्यक हो गया है कि किसानों को ऐसे वैकल्पिक आय स्रोत उपलब्ध कराए जाएं, जो उन्हें आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता दोनों प्रदान करें। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार इसी उद्देश्य के साथ किसानों और पशुपालकों को आधुनिक डेयरी व्यवसाय से जोड़ने के लिए अनेक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। नन्द बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत संचालित मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना ऐसी ही एक महत्वाकांक्षी पहल है, जो किसानों के जीवन में समृद्धि की नई कहानी लिख रही है।

जनपद आगरा के निवासी श्री मतेन्द्र सेंगर, पिता श्री उदयवीर सिंह, लंबे समय से कृषि एवं पशुपालन से जुड़े रहे हैं। खेती से होने वाली आय परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रमुख आधार थी, लेकिन अन्य छोटे किसानों की तरह उनके सामने भी आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने की चुनौती थी। ऐसे समय में उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार की मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना की जानकारी मिली। योजना के अंतर्गत चयनित होने के बाद उन्होंने आधुनिक डेयरी व्यवसाय की दिशा में कदम बढ़ाया और यही निर्णय उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। वर्ष 2024-25 में उन्होंने योजना के अंतर्गत 23.60 लाख रुपये की लागत से आधुनिक डेयरी इकाई स्थापित की। इस परियोजना पर उन्हें कुल लागत का 50 प्रतिशत अनुदान प्राप्त हुआ, जिससे डेयरी व्यवसाय प्रारंभ करना आर्थिक रूप से सहज और व्यावहारिक बन गया। योजना के तहत उन्होंने 10 स्वदेशी नस्ल की साहीवाल एवं गिर गायों पर आधारित आधुनिक डेयरी इकाई स्थापित की। सरकार द्वारा प्राप्त सहयोग ने उन्हें न केवल आर्थिक संबल दिया, बल्कि आधुनिक पशुपालन अपनाने का आत्मविश्वास भी प्रदान किया। डेयरी इकाई की स्थापना के बाद श्री मतेन्द्र सेंगर ने वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित पशुपालन पद्धतियों को अपनाया। पशुओं के संतुलित पोषण, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, स्वच्छ रख-रखाव और आधुनिक प्रबंधन के कारण उनकी डेयरी की उत्पादकता लगातार बढ़ी। वर्तमान में उनकी डेयरी से प्रतिदिन लगभग 100 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है। नियमित दुग्ध उत्पादन और प्रभावी विपणन व्यवस्था के कारण उनकी औसत वार्षिक आय लगभग 18 लाख रुपये तक पहुंच गई है। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई, बल्कि खेती के साथ पशुपालन भी आय का स्थायी और भरोसेमंद स्रोत बन गया है। इस सफलता का प्रभाव केवल उनकी आय तक सीमित नहीं रहा। आधुनिक डेयरी इकाई के संचालन से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित हुए हैं। पशुओं की देखभाल, दुग्ध संग्रहण, चारा प्रबंधन और अन्य गतिविधियों से आसपास के लोगों को भी रोजगार मिलने लगा है। इस प्रकार यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति देने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार को भी प्रोत्साहित कर रही है। श्री मतेन्द्र सेंगर का मानना है कि यदि उन्हें सरकार की इस योजना का सहयोग नहीं मिला होता, तो इतनी बड़ी आधुनिक डेयरी इकाई स्थापित करना संभव नहीं था। वे अपनी सफलता का श्रेय उत्तर प्रदेश सरकार तथा दुग्धशाला विकास विभाग को देते हुए कहते हैं कि मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना ने उन्हें केवल आर्थिक सहायता ही नहीं दी, बल्कि आत्मविश्वास के साथ एक सफल डेयरी उद्यमी बनने का अवसर भी प्रदान किया। आज वे अन्य किसानों और पशुपालकों को भी आधुनिक डेयरी व्यवसाय अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार की यह योजना स्वदेशी गोवंश के संरक्षण और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के अंतर्गत साहीवाल, गिर, थारपारकर एवं गंगातिरी जैसी स्वदेशी नस्लों पर आधारित हाईटेक डेयरी इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा इस योजनान्तर्गत10 स्वदेशी गायों की डेयरी इकाई के लिए 23.60 लाख रुपये की अनुमानित परियोजना लागत निर्धारित की गई है, जिसमें 15 प्रतिशत लाभार्थी अंश, 35 प्रतिशत बैंक ऋण तथा अधिकतम 50 प्रतिशत (11.80 लाख रुपये तक) अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। अनुदान की राशि दो समान किस्तों में दी जाती है, जिससे लाभार्थियों को डेयरी इकाई स्थापित करने में आर्थिक सुविधा मिलती है। इस योजना के अंतर्गत खरीदी जाने वाली गायों का प्रदेश के बाहर से अधिकृत ब्रीडिंग ट्रैक्टर के माध्यम से क्रय, सभी पशुओं की ईयर टैगिंग तथा बीमा कराना अनिवार्य किया गया है। आधुनिक एवं मानकीकृत कैटल शेड का निर्माण, वैज्ञानिक पशुपालन व्यवस्था तथा आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का विकास भी योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके साथ ही लाभार्थी के पास डेयरी इकाई के लिए लगभग 0.20 एकड़ भूमि तथा चारा उत्पादन के लिए लगभग 0.80 एकड़ भूमि उपलब्ध होना आवश्यक है। इन प्रावधानों का उद्देश्य केवल डेयरी इकाई स्थापित करना नहीं, बल्कि उसे दीर्घकाल तक सफल और लाभकारी बनाए रखना है। आज श्री मतेन्द्र सेंगर की सफलता इस बात का सशक्त प्रमाण है कि यदि सरकारी योजनाओं का लाभ सही पात्र तक पहुंचे और उन्हें आधुनिक तकनीक तथा वैज्ञानिक प्रबंधन का सहयोग मिले, तो ग्रामीण परिवारों की आर्थिक तस्वीर बदली जा सकती है। उनकी कहानी केवल एक किसान की सफलता नहीं, बल्कि उन हजारों किसानों के लिए प्रेरणा है जो कृषि के साथ पशुपालन को जोड़कर अपनी आय बढ़ाना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार किसानों की आय दोगुनी करने, स्वदेशी गोवंश के संरक्षण, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना इसी संकल्प का प्रभावी उदाहरण है, जिसने अनेक किसानों को रोजगार, सम्मान और आत्मनिर्भरता का नया मार्ग दिखाया है।

-निधि वर्मा, सूचना अधिकारी

आंतरिक संरचना की मजबूती से सुधरेगी आर्थिकी

केंद्रीय बैंक को अब महंगाई को नियंत्रण में रखने के साथ-साथ विकास की गति को थमने से बचाना होगा।ऐसे में आर्थिक गतिविधियों को सहारा देने के लिए सरकार को अपने पूंजीगत व्यय को लक्ष्य के अनुरूप तेजी से कारगर बनाना होगा। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं-जैसे रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, नए बंदरगाहों और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में निवेश को प्राथमिकता देनी होगी। बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश बढ़ने से इस्पात, सीमेंट और निर्माण जैसे मुख्य क्षेत्रों में मांग बनी रहती है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नए रोजगार पैदा होते हैं और अर्थव्यवस्था का चक्र घूमता रहता है। वैश्विक आपूर्ति शृंखला में नए सिरे से व्यवधान आने की आशंका को देखते हुए भारत को घरेलू विनिर्माण पर अपनी निर्भरता बढ़ानी होगी। उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजनाओं का दायरा बढ़ाकर उन क्षेत्रों को शामिल करना चाहिए जो आयात पर अत्यधिक निर्भर हैं। अब बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के बीच मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को भी ढाल बनाना होगा। अप्रैल-मई 2026 में भारत का निर्यात पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले लगभग 15 प्रतिशत बढ़ा है। वैश्विक अनिश्चितता के इस दौर में भारत द्वारा तेजी से बढ़ाए जा रहे 'मुक्त व्यापार समझौते' नए बाजार खोलने में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले साबित हो सकते हैं।

हाल ही में अमेरिका से सैन्य टकराव के बाद ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट के बंद किए जाने से कच्चे तेल के दाम बढ़े हैं और बाजार जोखिमें भी बढ़ गई हैं। इससे एक बार फिर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर बढ़ने लगा है। एशियाई विकास बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम एशियाई संकट और लॉजिस्टिक कीमतों में बढ़ोतरी का भारत की विकास दर पर प्रतिकूल असर होगा। ऐसे में एडीबी ने भारत के लिए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पूर्व निर्धारित 6.9 प्रतिशत विकास दर को घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। इसी तरह आईएमएफ ने अपनी रिपोर्ट में भारत की विकास दर का अनुमान घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। आईएमएफ का मानना है कि ऊर्जा की ऊंची कीमतें भारत में आर्थिक चुनौतियां बढ़ा सकती हैं। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 7.7 प्रतिशत की शानदार दर से वृद्धि दर्ज की थी, जो कि 2024-25 की 7.1 प्रतिशत की दर से काफी बेहतर थी। नि:संदेह इस समय वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और घरेलू आर्थिक मुश्किलों के बीच अर्थव्यवस्था को गतिशील रखना और विकास दर बढ़ाना चुनौती है। इस चक्रव्यूह से निकलने के लिए सरकार को 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' के मंत्र को और अधिक आक्रामक ढंग से उपयोग में लाना होगा। वैश्विक झटके और तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारत को अपनी समष्टि-आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए अपनी रणनीतियों में बदलाव करना होगा। तेल की वैश्विक कीमतों में उछाल के कारण भारतीय रिजर्व बैंक के सामने असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। केंद्रीय बैंक को अब महंगाई को नियंत्रण में रखने के साथ-साथ विकास की गति को थमने से बचाना होगा ।ऐसे में आर्थिक गतिविधियों को सहारा देने के लिए सरकार को अपने पूंजीगत व्यय को लक्ष्य के अनुरूप तेजी से कारगर बनाना होगा। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं—जैसे रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, नए बंदरगाहों और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में निवेश को प्राथमिकता देनी होगी। बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश बढ़ने से इस्पात, सीमेंट और निर्माण जैसे मुख्य क्षेत्रों में मांग बनी रहती है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नए रोजगार पैदा होते हैं और अर्थव्यवस्था का चक्र घूमता रहता है। वैश्विक आपूर्ति शृंखला में नए सिरे से व्यवधान आने की आशंका को देखते हुए भारत को घरेलू विनिर्माण पर अपनी निर्भरता बढ़ानी होगी। उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजनाओं का दायरा बढ़ाकर उन क्षेत्रों को शामिल करना चाहिए जो आयात पर अत्यधिक निर्भर हैं। अब बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के बीच मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को भी ढाल बनाना होगा। अप्रैल-मई 2026 में भारत का निर्यात पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले लगभग 15 प्रतिशत बढ़ा है। वैश्विक अनिश्चितता के इस दौर में भारत द्वारा तेजी से बढ़ाए जा रहे 'मुक्त व्यापार समझौते' नए बाजार खोलने में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले साबित हो सकते हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, भारत आगामी 10 महीनों में 9 नए व्यापार समझौतों को धरातल पर उतारने की तैयारी में है। 1 जून, 2026 से भारत और ओमान के बीच वृहद आर्थिक एवं साझेदारी समझौता पूरी तरह लागू हो चुका है। इससे ओमान में भारत के 99 प्रतिशत से अधिक उत्पादों को शुल्क मुक्त प्रवेश मिल रहा है। ब्रिटेन के साथ बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते का क्रियान्वयन इसी माह 15 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। यह भारतीय कपड़ा, फार्मा और विनिर्माण क्षेत्र के लिए बड़ा संवर्धक साबित होगा। इसके साथ ही न्यूजीलैंड और यूरोपीय संघ के साथ एफटीए शीघ्र कार्यान्वित होगा। अमेरिका के साथ भी वार्ता अंतिम दौर में है। मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के साथ समझौतों के लाभ जमीन पर दिखने लगे हैं। इसके अलावा कनाडा, इस्राइल, रूस और पेरू जैसी अर्थव्यवस्थाओं के साथ भी व्यापार वार्ताओं में तेजी लाई गई है। निश्चित रूप से बाहरी झटकों से निपटने के लिए भारत ने अपनी आंतरिक संरचना को पहले से मजबूत किया है। देशभर में जमीनी स्तर पर चार नई श्रम संहिताओं के तहत लागू हुए नए सरल श्रम कानून विनिर्माण क्षेत्र में 'व्यापार सुगमता' को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। इनसे न केवल विदेशी निवेश आकर्षित हो रहा है, बल्कि वैश्विक कंपनियों के लिए भारत में काम करना आसान हुआ है।

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

विकल्प पांडेय बने एमसीएफ मेंस यूनियन के उपाध्यक्ष

लालगंज (रायबरेली)। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (एमसीएफ) की प्रमुख कर्मचारी यूनियन रेल कोच फैक्ट्री मेंस यूनियन की नई केंद्रीय कार्यकारिणी का गठन कर दिया गया है। नई कार्यकारिणी सोमवार से प्रभावी हो गई है। इसमें विकल्प पांडेय को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कर्मचारियों के हितों की रक्षा उनकी समस्याओं के समाधान और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि यूनियन रेल कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी। नई कार्यकारिणी के गठन के बाद यूनियन कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। यूनियन के अध्यक्ष शिव गोपाल मिश्रा और महासचिव एलएन पाठक के निर्देशन में नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। कार्यकारिणी में शिव गोपाल मिश्रा को पुनः केंद्रीय अध्यक्ष और एलएन पाठक को महासचिव बनाया गया है। वहीं राकेश डी तिवारी को कार्यवाहक अध्यक्ष और रोहित मिश्रा को कार्यवाहक महासचिव की जिम्मेदारी दी गई है।उपाध्यक्ष पद पर अभय कुमार सिंह, इंदर लाल मीना, अनुपम कुमार मिश्रा और विकल्प पांडेय को मनोनीत किया गया है। सहायक महासचिव के रूप में सीपी पांडेय, बलिराम यादव, अनिल कुमार यादव, धनंजय कुमार और रत्नेश गुप्ता को जिम्मेदारी मिली है। इसके अलावा मनोज कुमार को कोषाध्यक्ष, अग्निवेश प्रसाद को संगठन सचिव और अजय व एसपी सिंह को मीडिया समन्वयक बनाया गया है। पदाधिकारियों और सदस्यों ने संगठन को और अधिक सक्रिय व मजबूत बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का भरोसा जताया।

21 जुलाई को स्कूल वाहनों के परमिट हेतु एआरटीओ कार्यालय में लगेगा विशेष कैंप

प्रतापगढ़। जनपद में विद्यालयी वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और बिना परमिट संचालित हो रहे वाहनों को नियमित करने के उद्देश्य से उप संभागीय परिवहन कार्यालय में 21 जुलाई को विशेष परमिट कैंप आयोजित किया जाएगा। यह निर्णय जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय परिवहन यान सुरक्षा समिति की बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में लिया गया है। एआरटीओ (प्रशासन) ए.के. शुक्ला ने बताया कि 21 जुलाई मंगलवार को प्रातः 10 बजे उप संभागीय परिवहन कार्यालय, प्रतापगढ़ में स्कूल वाहनों के परमिट बनाए जाने के लिए विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा। एआरटीओ ने ऐसे विद्यालय वाहन जो परमिट से आच्छादित न हो उनके प्रबन्धकों/प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया है कि वाहन के समस्त सुसंगत प्रपत्रों के साथ कैम्प में उपस्थित होकर वाहन का परमिट बनवाना सुनिश्चित करें।

बर्डपुर ब्लॉक परिसर में हुआ पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

सिद्धार्थनगर। वृक्षारोपण महा अभियान के तहत मंगलवार को बर्डपुर ब्लॉक परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।इस दौरान लोगों ने पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे। अधिकारियों ने कहा कि बढ़ते पर्यावरणीय संकट और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण जरूरी है। सहायक विकास अधिकारी कृषि मनीष त्रिपाठी ने लोगों से पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल करने की अपील की। वहीं एडीओ आईएसबी अब्दुल गफार ने कहा कि हर व्यक्ति यदि अपने जीवन में कम से कम एक पौधे को वृक्ष बनने तक संरक्षित करे तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान कार्यालय परिसर को हराभरा बनाने तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया गया। उपस्थित अधिकारियों ने पौधों की नियमित देखरेख सुनिश्चित करने का भी आश्वासन दिया। इस दौरान अरुण प्रजापति, शैलेंद्र कुमार गुप्ता, अंकित शुक्ला, अजहरुद्दीन, संतोष कुमार पाण्डेय, आदि उपस्थित रहें।

अतिथियों के सम्मान का शौचालय बना उपेक्षा का शिकार

» पूर्व सांसद निधि से बनी सेप्टिक टंकी मिट्टी से पटवाने का आरोप
» जटहां बाजार के जूनियर हाई स्कूल का मामला, जिलाधिकारी से स्थलीय जांच और टंकी बहाल कराने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कुशीनगर। जनपद के विकास खंड विशुनपुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत जटहां बाजार स्थित जूनियर हाई स्कूल परिसर में पूर्व सांसद राजेश उर्फ गुड्डू पांडेय की सांसद निधि से वर्ष 2015-16 में निर्मित दो सीटों वाले शौचालय की सेप्टिक टंकी को मिट्टी से पटवा दिए जाने का आरोप ग्राम प्रधान पर लगाया गया है। मामले को लेकर समाजसेवी प्रमोद रौनियार ने जिलाधिकारी से जांच कराकर टंकी की मरम्मत एवं पुनर्स्थापना की मांग की है। समाजसेवी प्रमोद रौनियार का कहना है कि उक्त शौचालय का निर्माण विद्यालय परिसर में आयोजित शादी-विवाह, चुनाव ड्यूटी पर आने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा अन्य सार्वजनिक आयोजनों में अतिथियों की सुविधा को ध्यान में रखकर कराया गया था। आरोप है कि वर्तमान ग्राम प्रधान मोहन कुशवाहा ने बिना किसी औचित्य के शौचालय की सेप्टिक टंकी को मिट्टी से भरवा दिया, जिससे शौचालय पूरी तरह अनुपयोगी हो गया है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शिकायत किए जाने पर समाधान करने के बजाय दबंगईपूर्ण व्यवहार किया गया। रौनियार का कहना है कि विद्यालय परिसर में ग्राम पंचायत एवं शिक्षा विभाग की ओर से बने अन्य कई शौचालय पहले से ही उपयोग के अभाव या खराब रखरखाव के कारण बेकार पड़े हैं। ऐसे में यह एकमात्र उपयोगी शौचालय भी निष्प्रभावी हो जाने से सार्वजनिक कार्यक्रमों में आने वाले अतिथियों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। समाजसेवी ने जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष स्थलीय जांच कराने, जिम्मेदारी तय करने तथा शौचालय की टंकी की मरम्मत एवं पुनर्स्थापना कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में विद्यालय परिसर में होने वाले चुनाव, सरकारी कार्यक्रमों एवं अन्य आयोजनों के दौरान लोगों को आवश्यक सुविधा उपलब्ध हो सके।

पागल कुत्ते ने हमला कर बच्चों समेत आठ ग्रामीणों को काटा सीएचसी में लगा टीका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज रायबरेली। आवारा पागल कुत्ता लोगों के लिए जी का जंजाल बन गया है। क्षेत्र के मोन गांव में सोमवार की रात से मंगलवार की सुबह तक पागल कुत्ते ने हमला कर बच्चों समेत आठ ग्रामीणों को काट लिया। कुत्ते के पागल होने की पता चलने पर ग्रामीण सीएचसी पहुंचे जहां उन्हें एआरवी और एआरएस का टीका लगाया गया। कुछ लोगों का कहना है कि कुत्ता ज्यादा हमलावर हुआ तो बगल के गांव में घेरकर पागल कुत्ते को मार डाला गया है। कुत्ते के हमले में घायल मोन गांव निवासी शिवप्रसाद, कमलेश, विजय प्रताप सिंह, रमाशंकर, चौहान आदि सीएचसी पहुंचे तो मामले की जानकारी हुई। गांव के ग्रामीणों ने बताया कि गांव की गलियों में घूमने वाला कुत्ता पागल हो गया। कुत्ते में लक्षण तब दिखे जब वह लगातार लोगों को काटने के लिए दौड़ा रहा था। वही पागल कुत्ते का ही शिकार हुई एक पशुपालक की जर्सी गाय भी पागल हो गई है। जो मोन से नारायनपुर जाने वाले बीच रास्ते पर कई घंटे आने जाने वाली गाड़ियों व वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना डायल पुलिस को दी। गाय के आतंक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने भी हाथ खड़े कर दिए तो ग्रामीण खुद अपनी सुरक्षा को लेकर लाठी डंडों से लैस होकर इधर-उधर की तरकीब लगाने में जुटे रहे। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अमरेश कुमार ने बताया कि गाय के पागल हो जाने की सूचना पशु-चिकित्सक को दी गई है जल्द ही उसके लिए रेस्क्यू चलाया जाएगा।

जनपद में 16 से 22 जुलाई तक चलेगा जल संरक्षण एवं जन जागरूकता अभियान

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने बताया है कि जनपद में 16 से 22 जुलाई तक भूजल सप्ताह अवधि में ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में सात दिवसीय जल संरक्षण एवं जन जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। अभियान का उद्देश्य जन सहभागिता और अन्तः विभागीय समन्वय के माध्यम से स्थानीय स्तर पर जल संरक्षण गतिविधियों को गति एवं दिशा प्रदान करना है। इस वर्ष भूजल सप्ताह के आयोजन को ''जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं है कोई विकल्प'' थीम पर केन्द्रित किया गया है। उन्होने बताया है कि सात दिवसीय जन जागरूकता अभियान के तहत 16 एवं 17 जुलाई को ग्राम पंचायत, 18 एवं 19 जुलाई को विकास खण्ड क्षेत्र पंचायत, 20 एवं 21 जुलाई को नगर पालिका परिषद नगर पंचायत एवं 22 जुलाई को जनपद स्तर जिला पंचायत स्तर पर जन जागरूकता अभियान चलाया जायेगा।

मुख्यमंत्री से विधायक ने की शिष्टाचार भेंट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। मंगलवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कपिलवस्तु विधानसभा के विधायक श्यामधनी राही ने शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने विधानसभा क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न विषयों पर मुख्यमंत्री से विस्तार से चर्चा की। भेंट के दौरान कपिलवस्तु विधायक ने क्षेत्र की प्रमुख विकास परियोजनाओं, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य जनसुविधाओं को और बेहतर बनाने के संबंध में मुख्यमंत्री को अवगत कराया। साथ ही क्षेत्र के समग्र विकास को गति देने के लिए आवश्यक सुझाव एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधायक को प्रदेश सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने तथा विकास कार्यों को गुणवत्ता एवं समयबद्ध तरीके से पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विधायक श्यामधनी राही ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराया जाएगा।

डीएम ने उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर।जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति मे डिस्ट्रिक्ट कोआपरेटिव डेवलेपमेंट कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार मे सम्पन्न हुई। बैठक मे जनपद मे नए पैक्स के गठन हेतु स्थानीय स्तर पर व्यापक प्रचार प्रसार कराये जाने,नवगठित समितियों के उन्नयन हेतु प्रयास किये जाने,नवगठित समितियों के भवन निर्माण हेतु राजस्व विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। जिलाधिकारी ने समितियों पर पर्याप्त उर्वरक की उपलब्धता, नियमानुसार वितरण एवं नियमित पर्यवेक्षण के निर्देश दिये गये।

बैठक मे उपरोक्त के अतिरिक्त सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक प्रकाश बहादुर गौतम, अपर जिला कृषि अधिकारी सूरज मौर्य, जिला उद्यान अधिकारी विमल कांत, जिला गन्ना अधिकारी ललित मौर्य सहायक निदेशक मत्स्य नंद किशोर, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ.गणेश प्रसाद व अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

सिद्धार्थनगरः नाले में डूबने से बच्चों की मौत

सिद्धार्थनगर। जिले के खेसरहा थाना क्षेत्र के मिरवापुर गांव में मंगलवार दोपहर एक हादसे में नाले में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। घटना दोपहर करीब 12 बजे की बताई जा रही है। बच्चों की पहचान मिरवापुर निवासी आयुष (8)पुत्र बबुआ और अनिल (5)पुत्र राम सजीवन के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही स्वजन बच्चों को तत्काल बेलौहा बाजार स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। वहां से हालत गंभीर होने पर दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेसरहा भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में शोक की लहर है। पुलिस मामले की हर पहलुओं की जांच कर रही है।

नपा में भी बांस के सहारे हो रही बिजली की आपूर्ति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के मुहल्ला भगत सिंह नगर में विद्युत उपभोक्ताओं को बांस बल्लियों के सहारे बिजली की आपूर्ति की जा रही है। लम्बी दूरी तक केबल के माध्यम से बिजली आपूर्ति किए जाने से प्रायः दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। विदित हो कि पांच साल पूर्व जवाहर लाल नेहरू स्मारक इण्टर कॉलेज नौगढ़ के उत्तर सड़क के किनारे के तीन दर्जन के करीब मात्र मकान, नगर क्षेत्र में आए। पांच साल बाद भी उक्त क्षेत्र के लोगों को आज भी बिजली पानी नाली जैसे मूलभूत सुविधाएं मयस्सर नहीं है।

बिजली आपूर्ति की स्थिति का आलम है कि बांस बल्ली के सहारे 500 मीटर तक दर्जनों उपभोक्ताओं के मकान और दुकान में विद्युत की आपूर्ति की जा रही है, और विद्युत विभाग को प्रतिमाह लाखों रुपए की आमदनी होती है,

बावजूद इसके उनकी सुविधाओं का ध्यान नहीं दिया जा रहा है। विद्युत उपभोक्ताओं ने पूरे मुहल्ले ने विद्युत खम्भे और इंसुलेटेड तार के माध्यम से विद्युत आपूर्ति किए जाने की मांग की है। अन्यथा

बरसात के इस मौसम में बांस बल्लियों के सड़ने और टूट कर गिर जाने से विद्युत केबल जमीन पर आ सकते हैं, यदि समय रहते इसका समाधान नहीं किया गया, तो कभी भी दुर्घटना का कारण बन सकता है।

बिस्कोहर पीएचसी को मिली नई एम्बुलेंसः नपं अध्यक्ष ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मरीजों को मिलेगी बेहतर सुविधा

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। नगर पंचायत बिस्कोहर के न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर एक नया एंबुलेंस का व्यवस्था सरकार द्वारा किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष अजय गुप्ता ने अपने सहयोगियों व अस्पताल के समस्त स्टॉप के साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किया गया इस कार्य से समस्त नगरवासी व क्षेत्रवासी को जल्द से जल्द व्यवस्था उपलब्ध हो गया । उन्होंने कहा कि नगर पंचायत बिस्कोहर पिछड़ा हुआ था। इस क्षेत्र में किसी का तबियत खराब हो जाता तो मौके पर नगर पंचायत में एक एंबुलेंस गाड़ी नहीं था। एम्बुलेंस उपलब्ध हुआ हैं इससे नगर पंचायत बिस्कोहर व क्षेत्र के लोगों में उत्साह देखने को मिला है। इस अवसर पर फार्मासिस्ट राकेश चौधरी, धीरज राय,जसवंत सिंह, बच्चा राम पांडेय, राजमणि दुबे, लालू नाइक, विजय गुप्ता, प्रीतम मिश्र समस्त अस्पताल टीम तिलक राम यादव, अमन चौरसिया उपस्थित रहे।

ससुराल में युवक ने पत्नी और सास पर चाकू से किया हमला

ग्रामीणों ने पकड़कर पीटा

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के सेमरपहा गांव में ससुराल आए एक युवक ने पत्नी और सास पर चाकू से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। शोर सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। इससे वह भी घायल हो गया। तीनों का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। सेमरपहा निवासी जितेंद्र कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्नाव जनपद के पनई मटियारा भगवंतनगर निवासी उसका बहनोई राममोहन सोमवार देर रात करीब एक बजे घर पहुंचा। आरोप है कि उसने किसी बात को लेकर विवाद के बाद अपनी पत्नी शशि और सास सोना देवी पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल महिलाओं को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां से हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। ग्रामीणों के मुताबिक महिलाओं की चीख पुकार सुनकर लोग मौके पर पहुंच गए। उन्होंने आरोपी को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। इससे वह भी घायल हो गया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। घायलों का उपचार चल रहा है।

महिला पत्रकार से कथित मारपीट का वीडियो वायरल निष्पक्ष कार्रवाई की उठी मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। महराजगंज क्षेत्र में एक महिला पत्रकार के साथ कथित मारपीट, अभद्रता एवं जातिसूचक शब्दों के प्रयोग का मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। पीड़िता कुमारी सोनी पुत्री रामसजीवन, निवासी ग्राम ओथी, ने कोतवाली महराजगंज में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि 14 जुलाई 2026 को दोपहर लगभग एक बजे चंदापुर से लौटते समय मौर्या बाग स्थित एक दुकान के पास कुछ लोगों ने उनके साथ अभद्रता की। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई, जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया गया तथा जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि घटना के दौरान उनके पास रखे ?1000 भी गायब हो गए।

तहरीर में रामनरेश, सुरेश सहित दो अज्ञात व्यक्तियों को नामजद किया गया है। घटना के बाद पीड़िता ने तत्काल पुलिस से न्याय की गुहार लगाते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पत्रकार संगठनों एवं आम नागरिकों में भी नाराज़गी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि पत्रकारों की सुरक्षा और कानून के प्रति लोगों का विश्वास बना रहे। कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो गई है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है तथा जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। पत्रकार लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। यदि किसी पत्रकार के साथ अपराध होता है, तो उसकी निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई होना आवश्यक है।

जनपद स्तरीय वृहद रोजगार मेले में 116 युवाओं को मिला रोजगार

» नौकरी पाने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बनें युवा-विधायक राजेन्द्र कुमार मौर्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। बुधवार 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के उपलक्ष्य में जनपद प्रतापगढ़ में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) परिसर स्थित टाटा टेक्नोलॉजी वर्कशॉप में जनपद स्तरीय वृहद रोजगार मेले का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सदर विधायक राजेन्द्र कुमार मौर्य ने फीता काटकर, मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में नोडल प्रधानाचार्य एवं जिला समन्वयक उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन आलोक कुमार ने मुख्य अतिथि का बुके एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक राजेन्द्र कुमार मौर्य ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में केंद्र एवं प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़ने के लिए अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे केवल नौकरी प्राप्त करने तक ही सीमित न रहें, बल्कि अपने कौशल और अनुभव के बल पर ऐसे उद्यमी बनने का लक्ष्य निर्धारित करें जो भविष्य में अन्य युवाओं को भी रोजगार उपलब्ध करा सकें। नोडल प्रधानाचार्य आलोक कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके माध्यम से समाज के अंतिम छोर तक रहने वाले अल्पशिक्षित एवं बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न ट्रेडों में गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है।

रोजगार मेले में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन एवं आईटीआई के लगभग 283 प्रशिक्षणार्थियों ने ब्लिंकिट कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड, स्पेक्ट्रम, श्री साई फ्रूट एंड एग्री डेवलपमेंट इंडस्ट्री, ग्रो, उड़ान, शुभ मसाला, याजाकी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, केयर हेल्थ नर्सेस प्राइवेट लिमिटेड, एल एंड टी कंस्ट्रक्शन, यूनिक सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड, बिरयानी बीस तथा एसवीजी एक्सप्रेस सहित विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में साक्षात्कार दिया। चयन प्रक्रिया के बाद 116 अभ्यर्थियों का विभिन्न कंपनियों में चयन किया गया। इस अवसर पर विधायक सदर ने चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में एमआईएस प्रबंधक भूपेन्द्र सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक रवीन्द्र पाण्डेय, कार्यदेशक जीआईटी एम.पी. मिश्रा सहित उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के समस्त प्रशिक्षण प्रदाता, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए 40000 पौधों का किया गया रोपण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। शासन की मंशानुसार रविवार को पौध रोपण महायज्ञ 'एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के अंतर्गत खेत तालाब योजना, पंडित दीन दयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना, आर0 ए0 डी0 योजना एवं डब्लू0 डी0 सी0- पी0 एम0के0 एस0वाई0 2.0 योजना अंतर्गत कुल 40 हजार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के उपरांत संयुक्त कृषि निदेशक प्रयागराज मंडल,प्रयागराज अनिल कुमार सागर द्वारा पंडित दीन दयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजनान्तर्गत परियोजना लीलापुर का स्थलीय निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के समय उप कृषि निदेशक अश्विनी कुमार सिंह,भूमि संरक्षण अधिकारी-इं0 चमन सिंह, जिला कृषि अधिकारी- अशोक कुमार एवं अन्य क्षेत्रीय कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ-साथ भूमि एवं जल संरक्षण संबंधी योजनाओं को योजनाओं का प्रभावित क्रियान्वयन सुनिश्चित करना रहा। खेत तालाब योजना अंतर्गत कृषि विभाग के पोर्टल पर बुकिंग की प्रक्रिया चालू है इच्छुक कृषक upagriculture.gov.in पर अपना पंजीकरण कर सकते है।

कृषकों की समस्याओं के समाधान हेतु अफीम कोठी में किसान दिवस कार्यक्रम 15 जुलाई को

स्वतंत्र प्रभात
ब्रेकिंग न्यूज़

प्रतापगढ़। उप कृषि निदेशक अश्विनी कुमार सिंह ने बताया है कि कृषकों की समस्याओ के समाधान हेतु किसान दिवस कार्यक्रम का आयोजन आज बुधवार को विकास भवन सभागार में दोपहर 12 बजे जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किया जायेगा। किसान दिवस कार्यक्रम में अधिक से अधिक कृषक प्रतिभाग कर अपनी शिकायतों का प्रस्तुत कर सकते है।

प्रमोद तिवारी के जन्मदिन पर सद्भावना सभा आज, आयेंगे सांसद तनुज पुनिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता व सांसद प्रमोद तिवारी के जन्मदिन की पूर्व बेला पर आज बुधवार को नगर स्थित एनएन बहुगुणा पीजी कालेज में दिन में एक बजे सद्भावना सभा का आयोजन किया गया है। सभा मे मुख्यअतिथि सांसद एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति जन जाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष तनुज पुनिया आयेंगे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक एवं प्रदेश कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना करेंगी। बुधवार को होने सदभावना सभा से जुड़े कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए संयोजक ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने बताया कि सदभावना दिवस में प्रमोद तिवारी के जन्मदिन को लेकर सोलह जुलाई से एक माह तक क्षेत्र में वृहद पौधरोपण अभियान तथा सौ दिनों के लिए सेवा संकल्प की भी शुरूआत की जाएगी। वहीं सदभावना दिवस को लेकर लालगंज नगर में मंगलवार से ही प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, लालगंज प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह, सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बब्लू, केडी मिश्र, भुवनेश्वर शुक्ला, दृगपाल यादव, डॉ0 अमिताभ शुक्ला आदि कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के साथ तैयारियों को लेकर मशक्कत करते दिखे। लालगंज के साथ रामपुर खास विधानसभा क्षेत्र मे प्रमोद तिवारी के जन्मदिन को लेकर बडे-बडे कटआउटस भी लोगों को आकर्षित करते देखे जा रहे हैं।

लोटन में जगन्नाथ स्वामी रथयात्रा कल, क्षेत्रीय लोगों से शामिल होने की अपील

लोटन (सिद्धार्थनगर)। स्थानीय कस्बा स्थित जगन्नाथ स्वामी मंदिर रथयात्रा पूर्व वर्षो की भांति इस वर्ष भी मंदिर परिसर से सुबह दस बजे से कल निकाली जाएगी। जिसके लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। उक्त जानकारी ग्राम प्रधान लोटन प्रदीप मोदनवाल ने देते हुए बताया कि लोटन केजी बांध के निकट स्थित भगवान जगन्नाथ स्वामी मंदिर से बृहस्पतिवार को एक रथयात्रा/झांकी निकाली जाएगी।जो केजी बांध होते हुए पूरे कस्बे में भ्रमण कराते हुए पुनः वैदिक मंत्रों से मंदिर में स्थापित किया जाएगा। उक्त परम्परा वर्ष उन्नीस बानबे से तत्कालीन जिलाधिकारी के अगुआई में शुरू किया गया था।जो आज भी कायम है। उक्त यात्रा में जिला स्तरीय से लेकर क्षेत्रीय स्तर तक के तमाम जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग रहते हैं। प्रशासन की ओर से भी कई थानों की पुलिस फोर्स,पीएसी के जवान सहित फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौजूद रहती है। ऐसे में मोदनवाल ने सभी लोगों को रथयात्रा में समय से उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

इलेक्ट्रॉनिक दुकान पर छापेमारी,ब्रांडेड कंपनी के नकली माल बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। पट्टी नगर पंचायत में मंगलवार की दोपहर नामचीन कंपनियों के नाम पर नकली इलेक्ट्रॉनिक सामान बेचने वाले एक बड़े गोरखधंधे का पर्दाफाश हुआ है।पुलिस ने कंपनियों के प्रतिनिधियों की शिकायत पर एक दुकान और उसके गोदाम पर छापेमारी करते हुए नकली सामान जब्त किया है।पट्टी कोतवाली अंतर्गत पट्टी नगर के एक इलेक्ट्रॉनिक की दुकान पर नकली सामान बेचने के आरोप में कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि प्रभात कुमार गुप्ता व कोतवाली पुलिस ने छापेमारी की।ऊषा और प्रेस्टीज कंपनी के लीगल एडवाइजर व प्रतिनिधि प्रभात कुमार गुप्ता ने बताया कि सोमवार को उन्होंने एडिशनल एसपी को इस मामले में एक प्रार्थना पत्र दिया,जिसमें आदेश प्राप्त कर थाने की पुलिस लेकर यह कार्रवाई की गई।

छापेमारी के दौरान 35 इलेक्ट्रॉनिक केतली 30 मिक्सर ग्राइंडर मिले है, जिन पर उषा व प्रेस्टीज कंपनी के स्टीकर मिले है। छापेमारी के दौरान मिले सामान को लेकर कंपनी के लोगों के साथ पुलिसकर्मी कोतवाली आए।इस दौरान बड़ी संख्या में लोग दुकान के आस-पास मौजूद रहे। पट्टी कोतवाल आनंदपाल सिंह के द्वारा बताया गया कि छापेमारी की कार्रवाई की गई है, लेकिन अभी संबंधित कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा कोई प्रार्थना पत्र नहीं दिया गया है। प्रार्थना पत्र मिलने के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली पुलिस में एसआई मनीष भाटी ने खुद को गोली मारकर दी जान, पत्नी का मर्डर कर हो गया था फरार

दिल्ली। दिल्ली पुलिस के सब-इंस्पेक्टर मनीष भाटी ने सोमवार रात अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। वारदात के बाद फरार चल रहे भाटी ने मंगलवार को मयूर विहार फेज-1 स्थित निगम पार्किंग में अपनी सर्विस पिस्टल से खुदकुशी कर ली। पुलिस के अनुसार, भाटी ने कल्याणपुरी थाना क्षेत्र में अपनी पत्नी को गोली मारी थी। घटना के बाद से वह फरार हो गया था। मंगलवार को उसका शव मयूर विहार फेज-1 के निगम पार्किंग में मिला। पुलिस ने मौके से सर्विस पिस्टल भी बरामद की है। मनीष भाटी ग्रेटर नोएडा के सलेमपुर गांव का रहने वाला था। वह 12वीं पास था, जबकि उसकी पत्नी अधिक पढ़ी-लिखी थी। दोनों परिवार दूध का कारोबार करते हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, भाटी को शराब पीने की लत थी और पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद था। इसके चलते घरेलू कलह चल रही थी। भाटी वर्ष 2022 में दिल्ली पुलिस में भर्ती हुआ था।

48 घंटे बाद भी यमुना में डूबे चारों किशोरों का सुराग नहीं, तलाशी अभियान जारी

दिल्ली। अलीपुर थाना क्षेत्र में यमुना नदी में डूबे चारों छात्रों का मंगलवार देर शाम तक कोई सुराग नहीं लग पाया। रविवार शाम से सर्च ऑपरेशन शुरू होने के करीब 48 घंटे बीतने पर रेस्क्यू टीम को निराशा हाथ लगी। पुलिस का कहना है कि आशंका है कि तेज वहाव के चलते सभी काफी दूर तक बह गए है। लेकिन जब तक चारों छात्रों का पता नहीं चल जाता, तब तक सभी एजेंसियों के साथ मिलकर तलाशी अभियान जारी रहेगा। उधर, यमुना किनारे बैठे स्वजनों की निगाहें हर वक्त रेस्क्यू टीमों पर टिकी रहीं। उन्हें उम्मीद है कि उनका लाल किसी तरह मिल जाएगा। पुलिस के अनुसार मंगलवार दिनभर एनडीआरएफ, दमकल विभाग और बोट क्लब की टीमें तलाशी अभियान में जुटी रही। सोमवार से लगातार चल रहे अभियान के तहत गोताखोरों ने यमुना के कई हिस्सों में तलाश की है। रेस्क्यू टीमें अलीपुर से कश्मीरी गेट की दिशा तक लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। लेकिन चारों बच्चों के शव बरामद नहीं हो पाए।

स्कूल बस ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, हादसे में 7वीं की छात्रा की दर्दनाक मौत

दिल्ली। आदर्श नगर इलाके में एक तेज रफ्तार बस ई रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में एक छात्रा की मौत हो गई। हालांकि कोई अन्य हताहत नहीं हुआ। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव का कहना है कि मंगलवार सुबह करीब 7 बजे आदर्श नगर पुलिस स्टेशन में स्कूली बच्चों से जुड़ी एक सड़क दुर्घटना की सूचना मिली। पुलिसकर्मी तुरंत मजलिस पार्क मेट्रो स्टेशन के पास घटनास्थल पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में पता चला कि एक स्कूल बस, जिसे बुराड़ी निवासी कमल सिंह (55 वर्ष), चला रहे थे, उसने ई रिक्शा में टक्कर मार दी। जिससे ई-रिक्शा में सवार 12 वर्षीय प्रियांशी गिर गई। इसी दौरान तेज रफ्तार बस ने उसे कुचल दिया।मामले की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस छात्रा को तत्काल जहांगीरपुरी स्थित बीजेआरएम अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में पता चला कि ई रिक्शा अजय प्रसाद चला रहे थे और ई-रिक्शा में पांच स्कूली बच्चे सवार थे। पुलिस के अनुसार इस घटना में किसी अन्य को चोट नहीं आई।

प्रधानमंत्री के दौरे से पहले चंडीगढ़ में सफाई अभियान

भाजपाइयों ने उठाए झाड़ू-कस्सी और फावड़े; आप-कांग्रेस ने बताया दिखावा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित चंडीगढ़ दौरे से पहले मंगलवार को सफाई अभियान चला। इस दौरान भाजपा नेता और कार्यकर्ताओं ने हाथों में झाड़ू, कस्सी तथा फावड़े उठाकर कूड़ा-कचरा उठाया। सुबह 8:30 से 10:30 बजे तक सेक्टर-26 ग्रेन मार्केट में 'स्वच्छता से स्वागत' अभियान के तहत विशेष सफाई अभियान चलाया। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने इसे दिखावा बताया। अभियान का नेतृत्व भाजपा चंडीगढ़ प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा ने किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन को जन आंदोलन का रूप दिया है। स्वच्छता बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है और 'स्वच्छता से स्वागत' अभियान स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के प्रति समाज की सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भाजपा प्रदेश महासचिव रामवीर भट्टी ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकार की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने लोगों से अपने घरों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने का आह्वान किया। स्थानीय व्यापारियों और निवासियों ने भी अभियान में हिस्सा लेकर अपने आसपास सफाई बनाए रखने का संकल्प लिया। भाजपा नेताओं ने कहा कि पार्टी भविष्य में भी शहर के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसे जनजागरूकता और स्वच्छता अभियान आयोजित करती रहेगी। दूसरी ओर, चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एचएस लक्की ने इसे राजनीतिक नौटंकी बताते हुए कहा कि भाजपा को कैमरों के सामने झाड़ू लगाने के बजाय शहर की सफाई व्यवस्था सुधारने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने सेक्टर-26 ग्रेन मार्केट, डड्डूमाजरा डंपिंग ग्राउंड, नगर निगम की वित्तीय स्थिति और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर भाजपा से जवाब मांगा। दूसरी ओर, चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एचएस लक्की ने इसे राजनीतिक नौटंकी बताते हुए कहा कि भाजपा को कैमरों के सामने झाड़ू लगाने के बजाय शहर की सफाई व्यवस्था सुधारने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने सेक्टर-26 ग्रेन मार्केट, डड्डूमाजरा डंपिंग ग्राउंड, नगर निगम की वित्तीय स्थिति और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर भाजपा से जवाब मांगा। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विजयपाल सिंह ने भी भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि यह अभियान जनता के साथ मजाक है। पार्टी के आब्जर्वर विनीत वर्मा ने आरोप लगाया कि भाजपा जनता की समस्याओं के समाधान के बजाय प्रचार पर अधिक ध्यान दे रही है।

श्रीभूमि जिले के आनिपुर में अधूरी सड़क से बढ़ी लोगों की मुश्किलें, आंदोलन की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: असम श्रीभूमि जिले के आनिपुर क्षेत्र में 'असम माला' सड़क परियोजना के तहत चल रहे सड़क उन्नयन कार्य में कथित देरी और निर्माण एजेंसी की लापरवाही को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों और मोटर चालक संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि अधूरा निर्माण कार्य जल्द पूरा नहीं कराया गया तो वे सड़क जाम कर व्यापक आंदोलन करने को बाध्य होंगे। जानकारी के अनुसार, हाइलाकांडी जिले के आयनारखाल से श्रीभूमि जिले के आसीमगंज तक सड़क के उन्नयन का कार्य 'असम माला' परियोजना के तहत किया जा रहा है। हालांकि, आनिपुर बाजार से तेमाथा तक का हिस्सा लंबे समय से केवल मेटलिंग की स्थिति में पड़ा हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण एजेंसी बिन्नी कंस्ट्रक्शन की कथित लापरवाही के कारण इस हिस्से का कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है। 'असम माला' परियोजना का उद्देश्य राज्य के प्रमुख संपर्क मार्गों को बेहतर बनाकर आवागमन को सुगम और सुरक्षित करना है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि हल्की बारिश होते ही सड़क कीचड़ में तब्दील हो जाती है, जिससे वाहनों की आवाजाही और पैदल चलना मुश्किल हो जाता है। वहीं, धूप निकलने पर उड़ने वाली धूल राहगीरों, दुकानदारों और स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए गंभीर परेशानी का कारण बन रही है। क्षेत्र की प्रमुख संपर्क सड़क होने के कारण प्रतिदिन हजारों लोग इसी मार्ग से आवागमन करते हैं। लोगों का कहना है कि सड़क की बदहाल स्थिति के चलते दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है। ग्रामीणों और मोटर चालक संगठन ने जिला प्रशासन तथा लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) से तत्काल सड़क पर बिटुमिनस (डामरीकरण) का कार्य पूरा कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो क्षेत्र में व्यापक जनआंदोलन के साथ सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और संबंधित निर्माण एजेंसी की होगी।

अनिल खटवाल ने कांग्रेस छोड़ भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनहितैषी नीतियों से प्रभावित होकर लगातार बढ़ रहा है भाजपा का परिवार - रजनीश धीमान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय, लुधियाना में जिला अध्यक्ष रजनीश धीमान की अध्यक्षता में,पूर्व पार्षद यशपाल चौधरी के प्रयासों से आजाद चुनाव लड़ चुके,कांग्रेस नेता अनिल खटवाल ने अपने अनेक साथियों सहित भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर भाजपा पंजाब के प्रदेश कोषाध्यक्ष गुरदेव शर्मा देबी विशेष रूप से उपस्थित रहे। भाजपा में शामिल होने पर जिला अध्यक्ष रजनीश धीमान एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष गुरदेव शर्मा देबी ने अनिल खतवाल और उनके साथियों का पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर रजनीश धीमान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, जनकल्याणकारी नीतियों तथा राष्ट्रहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से प्रभावित होकर विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता लगातार भाजपा से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक राजनीतिक पार्टी बन चुकी है और देशभर में विकास एवं सुशासन का नया अध्याय लिख रही है। भाजपा शासित राज्यों में विकास कार्यों की गति तेज हुई है तथा जनता का विश्वास पार्टी के प्रति निरंतर मजबूत हो रहा है।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले पंजाब विधानसभा चुनावों में भी प्रदेश की जनता भाजपा को अपना आशीर्वाद देगी और पंजाब में कमल खिलाकर विकास एवं सुशासन की सरकार बनाएगी।

इस अवसर पर जिला महामंत्री यशपाल जनोत्रा, पूर्व पार्षद यशपाल चौधरी, सोशल मीडिया सचिव राजन पांधे सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डॉल्फिन टैंक छात्र स्टार्टअप कार्यक्रम के मॉक प्रस्तुति दौर में 27 टीमों ने पेश किए सामाजिक नवाचार के प्रकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- सिटीनीड्स इनोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जिला प्रशासन लुधियाना के सहयोग तथा नर सेवा फाउंडेशन एवं गुलज़ार ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस के समर्थन से संचालित डॉल्फिन टैंक छात्र स्टार्टअप कार्यक्रम के मॉक प्रस्तुति दौर में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों की 27 छात्र टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन घुमार मंडी स्थित खालसा कॉलेज फॉर विमेन में किया गया, जहां छात्रों ने विस्तृत क्षेत्रीय अध्ययन तथा गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के भ्रमण से प्राप्त अनुभवों के आधार पर सामाजिक समस्याओं से जुड़े अपने प्रकल्प प्रस्तुत किए। जिला प्रशासन लुधियाना इस कार्यक्रम का आधिकारिक सहयोगी है। इस अभिनव पहल का शुभारंभ 1 अप्रैल 2026 को उपायुक्त लुधियाना हिमांशु जैन (आईएएस) ने किया था। युवाओं में सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा देने तथा शैक्षणिक संस्थानों को जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले गैर-सरकारी संगठनों से जोड़ने के उद्देश्य से शुरू किए गए इस कार्यक्रम में अब तक विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के 150 से अधिक छात्र भाग ले चुके हैं। चयन प्रक्रिया के तहत प्रत्येक टीम ने प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत किए। निर्णायक मंडल में सिटीनीड्स के संस्थापक मनीत दीवान, नर सेवा फाउंडेशन के संस्थापक बी.डी. गोयल, रणनीतिक सलाहकार एवं निदेशक सीए पंकज गर्ग, निदेशक भावना गोयल, प्रबंधक आशु चुघ तथा गुलज़ार ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस के मुख्य इनक्यूबेशन अधिकारी तिलक राज शामिल थे। छात्रों ने विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के समक्ष मौजूद चुनौतियों का विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए बताया कि दो क्षेत्रीय भ्रमणों के दौरान उन्होंने सामाजिक समस्याओं और आवश्यकताओं की पहचान की। उनकी प्रस्तुतियों में जमीनी स्तर की समस्याओं की गहरी समझ तथा टिकाऊ और प्रभावी समाधान विकसित करने की प्रतिबद्धता स्पष्ट दिखाई दी। निर्णायक मंडल ने टीमों का मूल्यांकन समस्या की गंभीरता, संभावित प्रभाव, व्यवहार्यता, बजट, स्थायित्व, विषय की समझ और प्रस्तुति कौशल के आधार पर किया। कठिन चयन प्रक्रिया के बाद 10 सर्वश्रेष्ठ टीमों का चयन किया गया, जिन्होंने अपने नवाचार, सामाजिक सोच और समर्पण से विशेष प्रभाव छोड़ा। यह मॉक प्रस्तुति दौर कार्यक्रम का महत्वपूर्ण चरण है, जिसका उद्देश्य युवा सामाजिक उद्यमियों को वास्तविक सामाजिक चुनौतियों से जोड़ना तथा उन्हें गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से व्यावहारिक समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित करना है। चयनित 10 टीमें अब 18 जुलाई 2026 को होने वाले ग्रैंड फिनाले में अपने विस्तृत प्रकल्प प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगी। इनमें से शीर्ष पांच टीमों को अपने सामाजिक प्रकल्पों के क्रियान्वयन के लिए गैर-सरकारी संगठनों के साथ मिलकर कार्य करने हेतु 2.50 लाख रुपये की अनुदान राशि प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर निर्णायक मंडल के सदस्यों ने छात्रों के समर्पण और रचनात्मक सोच की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक समस्याओं के समाधान में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने छात्रों को गैर-सरकारी संगठनों के साथ निरंतर कार्य करते हुए अपने विचारों को स्थायी सामाजिक परिवर्तन में बदलने के लिए प्रेरित किया। डॉल्फिन टैंक छात्र स्टार्टअप कार्यक्रम का स्वरूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप तैयार किया गया है। यह कार्यक्रम अनुभवात्मक शिक्षा, सामुदायिक सहभागिता, आलोचनात्मक चिंतन, उद्यमिता तथा बहुविषयक अध्ययन को प्रोत्साहित करता है। इसके माध्यम से छात्रों को गैर-सरकारी संगठनों के साथ सीधे कार्य करने, वास्तविक सामाजिक समस्याओं को समझने तथा उनके समाधान विकसित करने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है। यह पहल राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग रूपरेखा (एनआईआरएफ) तथा राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) के सामाजिक उत्तरदायित्व, नवाचार, सामुदायिक सहभागिता, अनुभवात्मक शिक्षा और संस्थागत उत्कृष्टता से जुड़े मानकों को भी सुदृढ़ करती है। डॉल्फिन टैंक कार्यक्रम छात्रों में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व और नवाचार की भावना विकसित करने के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रभावी मंच बन रहा है।

व्यापारियों की समस्याओं के समाधान को लेकर बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुक्तसर साहिब- उपायुक्त अमित कुमार पंचाल ने जिले के व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में पंजाब विकास आयोग के सदस्य प्रो. आशुतोष भी उपस्थित रहे। बैठक में उपायुक्त ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि उनकी शिकायतों का समयबद्ध समाधान किया जाएगा तथा उन्हें सरकारी कार्यालयों में अनावश्यक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। प्रो. आशुतोष ने कहा कि जिला प्रशासन को प्राप्त सभी व्यापारिक शिकायतों का जल्द समाधान होना चाहिए, ताकि दुकानदारों और व्यापारियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि जिन मामलों का समाधान जिला स्तर पर संभव नहीं है, उन्हें संबंधित विभागों के मुख्यालय भेजकर आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी। उपायुक्त अमित कुमार पंचाल ने बताया कि जिला प्रशासन व्यापारियों की शिकायतों की समीक्षा तथा उनके निस्तारण की प्रगति पर नजर रखने के लिए प्रत्येक सप्ताह बैठक आयोजित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि सभी वास्तविक शिकायतों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने नगर परिषद, पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड (पीएसपीसीएल) तथा जलापूर्ति एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करने और नागरिकों की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने विशेष रूप से नगर परिषद के अधिकारियों को सड़क प्रकाश व्यवस्था और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने तथा नागरिक सेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त (सामान्य) डेवी गोयल, एसडीएम गुरकिरनदीप सिंह सिद्धू (मुक्तसर साहिब), अरविंदरपाल सिंह (गिद्दड़बाहा), पंकज कुमार (मलोट) सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं व्यापार मंडल के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सीआईए स्टाफ ने 4 खतरनाक गैंगस्टरों को किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- पंजाब सरकार एवं पुलिस विभाग द्वारा गैंगस्टरों और अवैध हथियार रखने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीआईए स्टाफ, लुधियाना ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए चार कुख्यात गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से दो अवैध पिस्तौल और आठ जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस आयुक्त स्वपन शर्मा (आईपीएस), पुलिस उपायुक्त (जांच) हरपाल सिंह (पीपीएस), अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (जांच) अमनदीप सिंह बराड़ (पीपीएस) तथा सहायक पुलिस आयुक्त (डिटेक्टिव-1) हर्षप्रीत सिंह (पीपीएस) के निर्देशन में सीआईए स्टाफ प्रभारी निरीक्षक अवतार सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, 11 जुलाई 2026 को सीआईए स्टाफ की टीम थाना घुमार मंडी क्षेत्र में नाकाबंदी कर रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि पुनीत बैंस उर्फ मनी, गौरव डांग, नवीन नेगी और अमन मलिक उर्फ भोला अवैध हथियारों के साथ फिरोजपुर रोड स्थित नहर विभाग की खाली भूमि पर एक सफेद रंग की होंडा अमेज (पंजीकरण संख्या PB-01-B -7252) कार में बैठकर किसी बड़ी आपराधिक वारदात की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल छापेमारी कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 30 बोर की एक पिस्तौल, दो जिंदा कारतूस तथा 32 बोर की एक पिस्तौल के साथ छह जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध हत्या के प्रयास, शस्त्र अधिनियम, डकैती तथा मादक पदार्थों की तस्करी सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस का आरोप है कि चारों ने मिलकर एक संगठित आपराधिक गिरोह बना रखा था और अवैध गतिविधियों में संलिप्त थे। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस अभिरक्षा रिमांड पर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि उनसे गहन पूछताछ की जा रही है, जिससे गिरोह के अन्य सदस्यों तथा संभावित आपराधिक योजनाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की संभावना है।

10 ग्राम हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

लुधियाना- कमिश्नरेट पुलिस लुधियाना ने 'ड्रग्स के खिलाफ जंग' अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 10 ग्राम हेरोइन के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त स्वपन शर्मा (आईपीएस) के निर्देश तथा थाना हैबोवाल प्रभारी निरीक्षक कुलवंत कौर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस पोस्ट जगतपुरी प्रभारी उपनिरीक्षक सुखजिंदर सिंह ने रेलवे लाइन क्षेत्र में नाकाबंदी के दौरान संदेह के आधार पर अतुल दुबे निवासी निधन सिंह नगर और तेजपाल सिंह निवासी चंद्र नगर, लुधियाना को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान दोनों आरोपियों के कब्जे से 10 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इस संबंध में 10 जुलाई 2026 को थाना हैबोवाल में स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की धारा 21, 61 और 85 के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि मादक पदार्थ तस्करी के नेटवर्क और इसके अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।

श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर क्षेत्र में 80 हजार याबा टैबलेट जब्त, तीन गिरफ्तार

करीब 8 करोड़ रुपये की खेप बरामद, अंतरराज्यीय तस्करी नेटवर्क की जांच तेज; पुलिस की कार्रवाई की लोगों ने सराहना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: असम के श्रीभूमि जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रामकृष्णनगर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 80 हजार याबा टैबलेट बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार, जब्त खेप की अनुमानित अंतरराष्ट्रीय बाजार कीमत करीब 8 करोड़ रुपये आंकी गई है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने रामकृष्णनगर थाना क्षेत्र के चांन्नीघाट इलाके में मिजोरम से आ रहे एक बिना नंबर वाले नए मारुति ईको वाहन को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन से भारी मात्रा में याबा टैबलेट बरामद हुई। इस मामले में पुलिस ने अल्ताफ हुसैन, एनाम हुसैन और सामिम उद्दीन को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को संदेह है कि बरामद मादक पदार्थ किसी बड़े अंतरराज्यीय अथवा अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है। मामले में एनडीपीएस अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए तस्करी श्रृंखला, खेप के वास्तविक गंतव्य और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान के लिए जांच तेज कर दी गई है। पूर्वोत्तर भारत में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चल रहे अभियान के बीच इस कार्रवाई को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राज्य पुलिस मिजोरम सीमा से जुड़े मार्गों पर लगातार निगरानी बढ़ा रही है और हाल के महीनों में कई बड़ी मादक पदार्थों की खेप जब्त की जा चुकी हैं। पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मादक पदार्थों की यह खेप कहां से लाई गई थी और इसकी अंतिम डिलीवरी किस स्थान पर की जानी थी। साथ ही, इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और पूरे गिरोह का पर्दाफाश करने के लिए जांच तेज कर दी गई है। मामले की जानकारी देते हुए जिले की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसपी) लीना दोले ने मीडिया को बताया कि जांच सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर की जा रही है और तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों तक पहुंचने के लिए अभियान जारी रहेगा। जिले के रामकृष्णनगर पुलिस की इस बड़ी कार्रवाई की क्षेत्र के लोगों ने सराहना की है। स्थानीय नागरिकों ने इसे नशा तस्करी के खिलाफ प्रभावी कदम बताते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में भी पुलिस इसी तरह सख्ती से कार्रवाई जारी रखेगी।

बिहार सरकार के मंत्री संजय पासवान ने लुधियाना में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के कार्यालय का किया उद्घाटन

लुधियाना- बिहार सरकार के मंत्री संजय पासवान ने पंजाब के लुधियाना में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नए पार्टी कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यालय उद्घाटन के बाद मंत्री संजय पासवान ने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में संगठन की वर्तमान गतिविधियों, सदस्यता अभियान तथा आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पार्टी की नीतियों एवं जनकल्याणकारी विचारों को घर-घर तक पहुंचाने के लिए सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें। उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने तथा जनता के बीच लगातार सक्रिय रहने पर विशेष जोर दिया। मंत्री संजय पासवान ने कहा कि मजबूत संगठन ही किसी भी राजनीतिक दल की सबसे बड़ी ताकत होता है।

सिंधी समाज के सबसे बड़े धार्मिक पर्व 'चालीहा उत्सव' का 16 जुलाई से होगा भव्य आगाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली। एनसीआर।।सिंधी समाज के आराध्य देव भगवान झूलेलाल की आराधना और आस्था का प्रतीक 40 दिवसीय चालीहा उत्सव इस वर्ष 16 जुलाई 2026 से 24 अगस्त 2026 तक गुरुग्राम के सेक्टर-37 स्थित नव-निर्मित श्री झूलेलाल साई मंदिर बनी वाला मंदिर में पूरे धार्मिक उल्लास और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। आयोजन श्री झूलेलाल सेवा समिति, गुरुग्राम के तत्वावधान में होगा, जिसमें गुरुग्राम, दिल्ली-एनसीआर सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।संस्था की कल्चरल टीम की अध्यक्ष श्रीमती कंचन लालवानी ने बताया कि चालीहा उत्सव सिंधी समाज की धार्मिक परंपरा, संस्कृति और सामाजिक एकता का सबसे महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। 40 दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में भगवान झूलेलाल की विशेष पूजा-अर्चना, ज्योत प्रज्ज्वलन, भजन-कीर्तन, सत्संग, आरती और प्रसाद वितरण जैसे अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान श्रद्धालु अपनी सुख-समृद्धि, परिवार की खुशहाली और विश्व शांति की कामना करेंगे।समिति के अनुसार 19 व 26 जुलाई तथा 2, 9, 16 और 23 अगस्त को विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इन दिनों पूज्य बहराणा साहिब की पूजा, प्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा भजन संध्या, ज्योत प्रज्ज्वलन, महाआरती तथा विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

इन विशेष आयोजनों का समय प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक रहेगा।इसके अतिरिक्त शेष सभी दिनों में प्रतिदिन सायं 6:00 बजे से 8:00 बजे तक भगवान झूलेलाल की ज्योत, भजन-कीर्तन, आरती एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा। समिति ने बताया कि पूरे चालीहा उत्सव के दौरान मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा और भक्तिमय वातावरण में श्रद्धालु भगवान झूलेलाल की आराधना करेंगे। झूलेलाल सेवा समिति के अध्यक्ष विनोद पहलाजानी ने कहा कि चालीहा उत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को प्रेम, भाईचारे, सेवा और मानवता का संदेश देने वाला महापर्व है। वहीं महासचिव किशोर मंगलानी ने गुरुग्राम और आसपास के सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे अपने परिवार सहित अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस पावन आयोजन का हिस्सा बनें और भगवान झूलेलाल का आशीर्वाद प्राप्त करें।समिति ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर का लोकेशन क्यूआर कोड भी जारी किया है, ताकि बाहर से आने वाले भक्त आसानी से कार्यक्रम स्थल तक पहुंच सकें। आयोजन की सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं और समिति के स्वयंसेवक इसे सफल बनाने में जुटे हुए हैं।

एनसीसी कैडेटों ने लिया सैन्य प्रशिक्षण एवं आधुनिक तकनीक का अनुभव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। 15 यूपी बटालियन एनसीसी द्वारा सैनिक पीजी कॉलेज मई , देवकली, प्रयागराज में आयोजित संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी-69) का दूसरा दिन सैन्य प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीक एवं व्यक्तित्व विकास पर आधारित विविध गतिविधियों के साथ उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। शिविर में भाग ले रहे 660 एनसीसी कैडेटों ने दिनभर आयोजित प्रशिक्षण सत्रों में बढ़-चढ़कर सहभागिता की। दिन की शुरुआत प्रातःकालीन शारीरिक प्रशिक्षण (पीटी) से हुई, जिसके उपरांत ड्रिल परेड आयोजित की गई। इन गतिविधियों के माध्यम से कैडेटों में अनुशासन, शारीरिक क्षमता, नेतृत्व, समन्वय एवं टीम भावना का विकास किया गया। दिवस का प्रमुख आकर्षण लाइव फायरिंग अभ्यास रहा, जिसमें जूनियर डिवीजन एवं जूनियर विंग के कैडेटों ने प्रशिक्षित प्रशिक्षकों की निगरानी में पहली बार हथियार से फायरिंग का अनुभव प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण से कैडेटों का आत्मविश्वास बढ़ा तथा उन्हें हथियारों के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग की मूलभूत जानकारी प्राप्त हुई। वहीं सीनियर डिवीजन एवं सीनियर विंग के कैडेटों को मैप रीडिंग, शस्त्र प्रशिक्षण, तकनीकी विषयों तथा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे उनके सैन्य ज्ञान एवं व्यावहारिक दक्षता में वृद्धि हुई। शिविर के दौरान ड्रोन तकनीक पर एक विशेष परिचयात्मक सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें कैडेटों को ड्रोन की कार्यप्रणाली, उपयोगिता एवं संचालन संबंधी मूलभूत जानकारी दी गई। आगामी दिवस पर कैडेटों को व्यावहारिक ड्रोन प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे उन्हें ड्रोन संचालन का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त होगा। सायंकालीन सत्र में सेंट्रल गेम्स का आयोजन किया गया, जिसने कैडेटों में खेल भावना, टीमवर्क एवं शारीरिक दक्षता को प्रोत्साहित किया। इसके पश्चात ऑपरेशन रेड विंग्स पर आधारित एक प्रशिक्षण फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसके माध्यम से कैडेटों को सैन्य नेतृत्व, कर्तव्यनिष्ठा, साहस एवं सशस्त्र सेनाओं के मूल्यों की प्रेरणादायक जानकारी प्राप्त हुई। कैम्प कमांडेंट कर्नल ऋतु श्रीवास्तव रावत ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि शिविर की रूपरेखा इस प्रकार तैयार की गई है कि कैडेटों को सैन्य प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीकी ज्ञान, शारीरिक दक्षता एवं जीवनोपयोगी कौशल का संतुलित प्रशिक्षण प्राप्त हो।

मारपीट के बाद हुई युवक की मौत के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। कैंट थाना पुलिस ने मारपीट के बाद इलाज के दौरान युवक की मौत के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को मुखबिर की सूचना पर बेली अस्पताल गेट नंबर-1 के पास से दबोचा गया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई थाना कैंट में दर्ज मु.अ.सं. 151/2026 धारा 105 बीएनएस के तहत की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जितेन्द्र कुमार (39) पुत्र स्वर्गीय राजेन्द्र प्रसाद तथा इरफान (28) पुत्र स्वर्गीय इसराइल, दोनों निवासी बेली अस्पताल परिसर, थाना कैंट, प्रयागराज के रूप में हुई है। मामले के अनुसार, रिंकी, पत्नी स्वर्गीय मनोज, निवासी मकान संख्या-19, मलाक राज, थाना कीडगंज ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि दोनों अभियुक्तों ने उनके पति मनोज के साथ मारपीट की थी। मारपीट में गंभीर रूप से घायल मनोज को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कैंट थाना पुलिस की विशेष टीम गठित की गई थी। मंगलवार को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने बेली अस्पताल गेट नंबर-1 के पास घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

रिंग रोड पर दर्दनाक हादसा: ट्रक की चपेट में आने से महिला की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। औद्योगिक थाना क्षेत्र स्थित रिंग रोड के नीचे मंगलवार दोपहर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रक की चपेट में आने से एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मेजा थाना क्षेत्र के समहन टिकुरी गांव निवासी राम सागर अपनी बाइक से कानपुर जिले के कल्याणपुर क्षेत्र निवासी मीना देवी (52 वर्ष) के साथ शहर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रिंग रोड के नीचे पीछे से आ रहे एक ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई, जिससे मीना देवी ट्रक की चपेट में आ गईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बाइक चालक राम सागर गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना मिलते ही औद्योगिक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया।

स्वयं सहायता समूहों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई मजबूती : सांसद प्रवीण पटेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हनुमानगंज प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत ग्राम विकास विभाग द्वारा विधानसभा फूलपुर के धरौली, हनुमानगंज स्थित पृथ्वी गार्डेन गेस्ट हाउस में संकुल स्तरीय आम सभा बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में फुलपुर के सांसद प्रवीण पटेल ने सहभागिता करते हुए स्वयं सहायता समूहों के सशक्तिकरण, महिला आजीविका संवर्धन तथा ग्रामीण विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक को संबोधित करते हुए सांसद प्रवीण पटेल ने कहा कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम बन चुके हैं। सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए अनेक योजनाओं का संचालन कर रही है, जिनका लाभ अधिक से अधिक महिलाओं तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि समूहों के माध्यम से महिलाएं स्वरोजगार अपनाकर न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं, बल्कि गांवों के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सांसद ने समूह की महिलाओं से सरकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने, बचत एवं ऋण व्यवस्था को मजबूत करने तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर विकसित करने का आह्वान किया। । बैठक में ग्राम विकास विभाग एवं उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों ने स्वयं सहायता समूहों के संचालन, वित्तीय प्रबंधन, बैंकिंग सुविधाओं, ऋण वितरण, आजीविका गतिविधियों तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी। कार्यक्रम के दौरान समूह की महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए और आजीविका से जुड़े सुझाव भी प्रस्तुत किए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूहों की सदस्याएं, ग्राम संगठन एवं संकुल संगठन की पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, ग्राम विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ड्यूटी से लौट रहीं चिकित्सक डॉ. मधु जायसवाल सड़क हादसे में घायल, साथी डॉक्टर भी जख्मी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। कौंधियारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात चिकित्सक डॉ. मधु जायसवाल सोमवार को ड्यूटी समाप्त कर घर लौटते समय सड़क दुर्घटना का शिकार हो गईं। गोहानिया के पास उनकी कार अचानक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में डॉ. मधु जायसवाल और कार चालक दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना इतनी तेज थी कि कार को काफी नुकसान पहुंच। चिकित्सकों और कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर डॉ. मधु जायसवाल का हालचाल जाना और बेहतर उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित कराई। घटना की जानकारी मिलने पर संयुक्त कर्मचारी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. आनंद त्रिपाठी, डॉ. आत्माराम, डॉ. विनोद सिंह, मंडल संयोजक अटल राय, भारतीय मजदूर संघ के प्रयागराज जिला मंत्री रविकांत, सोहेल अशरफ तथा नीरज यादव अस्पताल पहुंचे। सभी ने चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और आवश्यक सहयोग का भरोसा दिलाया।

प्रदेश में कमजोर मानसूनी सक्रियता के कारण उमस भरी गर्मी के आसार

प्रयागराज। बंगाल की खाड़ी में बने अवदाब के पूर्वी उत्तर प्रदेश पर कमजोर पड़ने के साथ ही प्रदेश में मानसूनी द्रोणी के अपनी सामान्य स्थिति से काफी उत्तर में तराई की ओर स्थानांतरित हो जाने तथा प्रदेश में कोई अन्य मौसम तंत्र सक्रिय नहीं होने के कारण प्रदेश में मानसूनी हवाएं कमजोर पड़ने से आने वाले 3-4 दिनों के दौरान प्रदेश के अधिकाँश भाग में मौसमी गतिविधियाँ अत्यधिक सीमित होकर कहीं-कहीं छिटपुट वर्षा तक सिमट जाने से तापमान में एक बार फिर से क्रमिक बढ़ोत्तरी होने से प्रदेश भर में उमस भरी गर्मी पड़ने की सम्भावना है, तदुपरांत बंगाल की खाड़ी में हो रही हलचल के दृष्टिगत एक बार पुनः प्रदेश में मानसूनी गतिविधियों में क्रमिक बढ़ोत्तरी की सम्भावना है।

नगर निगम विस्तार के बाद भी शिक्षक कॉलोनी विकास से वंचित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। नैनी के माडौका रोड स्थित कृष्णा हॉस्पिटल वाली गली के अंतिम छोर पर बनी शिक्षक कॉलोनी के लगभग 50 परिवार मूलभूत सुविधाओं के अभाव में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। बरसात के मौसम में पूरे क्षेत्र में जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाती है, जिससे लोगों का घरों से निकलना तक मुश्किल हो जाता है।स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम का विस्तार इस क्षेत्र तक हो चुका है और यहां के निवासी पिछले दो वर्षों से हाउस टैक्स सहित अन्य नगर निगम करों का नियमित भुगतान कर रहे हैं। इसके बावजूद आज तक न तो सड़क अथवा खड़ंजा का निर्माण कराया गया है और न ही जल निकासी के लिए नाली बनाई गई है।क्षेत्रवासियों के अनुसार राजकुमार श्रीवास्तव के घर से लेकर लोटन कुशवाहा के घर तक सड़क और नाली का पूर्ण अभाव है। बारिश के दौरान पानी जमा होने से पूरे मोहल्ले में कीचड़ और जलभराव की स्थिति बन जाती है, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। क्षेत्रवासियों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि शिक्षक कॉलोनी में प्राथमिकता के आधार पर सड़क एवं नाली का निर्माण कराया जाए, ताकि बरसात के दिनों में लोगों को राहत मिल सके। उनका कहना है कि यदि जल्द ही निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया गया तो बारिश के मौसम में लोग सड़क पर नहीं, बल्कि पानी से भरे नालों जैसे रास्तों से गुजरने को विवश होंगे।

मड़ावरा पुलिस ने सात वारंटी अभियुक्तों को दबोचा, न्यायालय में किया पेश

ललितपुर। जनपद में वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना मड़ावरा पुलिस ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए सात वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपियों को विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। एसपी मो. मुश्ताक के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह तथा क्षेत्राधिकारी मड़ावरा आलोक कुमार अग्रहरि के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक मनोज मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर वारंटियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में मड़ावरा निवासी विनोद कुमार पुत्र घासीराम साहू शामिल है।

श्रावण मास में हजारिया महादेव मंदिर में 30 दिवसीय श्रीशिव सहस्रार्चन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। श्रावण मास के पावन अवसर पर कस्बा बांसी स्थित प्राचीन श्री हजारिया महादेव मंदिर में बुधवार से 30 दिवसीय श्री शिव सहस्रार्चन महाअनुष्ठान एवं अखण्ड शिव-आराधना साधना का शुभारंभ होगा। मंदिर के महंत गोपाल दासजी महाराज के सान्निध्य में आयोजित होने वाला यह धार्मिक अनुष्ठान पूरे श्रावण मास तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन भगवान भोलेनाथ का वैदिक विधि-विधान से अभिषेक, रुद्राभिषेक, सहस्रार्चन एवं शिव मंत्रों का जाप किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार श्रावण मास के प्रत्येक दिन भगवान श्रीहजारिया महादेव का दुग्ध, गंगाजल, पंचामृत एवं अन्य पवित्र सामग्रियों से दिव्य अभिषेक किया जाएगा। इसके साथ ही वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रुद्राभिषेक, सहस्रार्चन और विशेष पूजन संपन्न होगा। पूरे माह मंदिर परिसर शिवमय वातावरण में गूंजता रहेगा। अनुष्ठान के दौरान प्रतिदिन भगवान शिव की 1008 पूजन सामग्रियों से विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। श्रद्धालुओं के लिए भगवान शिव के दर्शन, पूजन और प्रसाद वितरण की भी विशेष व्यवस्था की गई है। बड़ी संख्या में शिवभक्तों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए मंदिर परिसर में आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। महंत गोपाल दासजी महाराज ने बताया कि यह महाअनुष्ठान राष्ट्र, धर्म और विश्वकल्याण की मंगलकामना के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण करने पर भड़के अपना दल कार्यकर्ता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। अपना दल (कमेरावादी) ने मंगलवार को प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत किसानों और जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए महामहिम राज्यपाल के नाम संबोधित चार सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी ललितपुर को सौंपा। जिलाध्यक्ष देवेन्द्र पटेल के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग की और चेतावनी दी कि यदि सरकार ने समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए तो पार्टी व्यापक जनआंदोलन शुरू करेगी। ज्ञापन में कहा गया कि प्रदेश का किसान इस समय कई तरह की समस्याओं से जूझ रहा है। समय पर उर्वरक उपलब्ध नहीं होने से खेती प्रभावित हो रही है, जबकि कई स्थानों पर खाद की कालाबाजारी और जमाखोरी से किसानों को अधिक कीमत पर उर्वरक खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। पार्टी ने मांग की कि सरकार तत्काल खाद संकट समाप्त कर सभी किसानों को निर्धारित मूल्य पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराए तथा कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करे। ज्ञापन में पेट्रोल और डीजल में इथेनॉल मिश्रण का मुद्दा भी उठाया गया। पार्टी नेताओं का कहना था कि इससे आम उपभोक्ताओं और वाहन चालकों को तकनीकी व आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से इस व्यवस्था पर पुनर्विचार करते हुए इथेनॉल मिश्रण पर रोक लगाने की मांग की। अपना दल (कमेरावादी) ने प्रदेश में पूर्ण शराबबंदी लागू करने की भी मांग उठाई। ज्ञापन में कहा गया कि शराब के कारण सामाजिक और पारिवारिक समस्याएं बढ़ रही हैं।

जिले की 70 ग्राम पंचायतों में डेढ़ माह से सचिवों के पद खाली, विकास कार्य ठप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जनपद की करीब 70 ग्राम पंचायतों में पिछले डेढ़ माह से ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम विकास अधिकारियों (वीडीओ) पद रिक्त होने से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्य बुरी तरह प्रभावित हो गए हैं। पंचायतों में जरूरी प्रशासनिक कार्य ठप पड़े हैं, जिससे आम ग्रामीणों को जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर की नकल सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज बनवाने के लिए परेशान होना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर अखिल भारतीय प्रधान संगठन ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर तत्काल सचिवों की तैनाती की मांग की है। अखिल भारतीय प्रधान संगठन के प्रदेश महासचिव कुं.गजेन्द्र सिंह बुन्देला के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि जनपद के सभी छह विकास खंडों की लगभग 70 ग्राम पंचायतों में सचिवों और ग्राम विकास अधिकारियों के स्थानांतरण हुए करीब डेढ़ माह बीत चुका है। इसके बावजूद अब तक न तो नए अधिकारियों को कार्यभार सौंपा गया है और न ही रिक्त पंचायतों में नई तैनाती की गई है। परिणामस्वरूप ग्राम पंचायतों में विकास योजनाओं का संचालन प्रभावित हो गया है और पंचायत स्तर के अधिकांश कार्य बंद पड़े हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि सचिवों के अभाव में जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर की नकल, आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र से संबंधित प्रक्रियाएं बाधित हो गई हैं। नए शैक्षणिक सत्र के दौरान विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए आवश्यक दस्तावेज नहीं मिल पा रहे हैं, जिससे उनके एडमिशन प्रभावित हो रहे हैं। वहीं, न्यायालयों में लंबित मामलों में परिवार रजिस्टर की नकल न मिलने से वादकारियों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रधान संगठन का आरोप है कि पिछले डेढ़ माह से लगातार संबंधित अधिकारियों से समस्या के समाधान की मांग की जा रही है, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला है। संगठन का कहना है कि यदि शीघ्र ही सभी रिक्त ग्राम पंचायतों में सचिवों और ग्राम विकास अधिकारियों की नियुक्ति नहीं की गई तो ग्रामीणों के हित में आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने वालों में अखिल भारतीय प्रधान संगठन प्रदेश महासचिव कुं.गजेन्द्र सिंह बुन्देला एवं प्रशासक ग्राम पंचायत अमरिया, विकास खंड बिरधा, वरिष्ठ अधिवक्ता हरदयाल सिंह लोधी एड., ग्राम प्रधान छिल्ला गुंजन सिंह राजपूत सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी और ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

जेपी कुशवाहा बने प्रदेश उपाध्यक्ष, बलबीर पटेल झांसी मंडल अध्यक्ष मनोनीत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी परिषद की प्रांतीय कार्यकारिणी द्वारा आयोजित शपथ ग्रहण एवं संगठनात्मक कार्यक्रम में जनपद ललितपुर को बड़ी जिम्मेदारियां सौंपते हुए संगठन में महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व दिया गया। परिषद ने कर्मचारी हितों के लिए लंबे समय से सक्रिय भूमिका निभा रहे वरिष्ठ कर्मचारी नेता जेपी कुशवाहा को प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है। वहीं संगठन के विस्तार और मजबूती के उद्देश्य से बलबीर पटेल (विकास खंड बिरधा) को झांसी मंडल अध्यक्ष तथा जालम सिंह (विकास खंड महरौनी) को मंडल महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रांतीय कार्यकारिणी ने कहा कि संगठन में यह नई जिम्मेदारियां उन पदाधिकारियों को दी गई हैं, जिन्होंने लंबे समय से ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के अधिकारों, समस्याओं और संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय योगदान दिया है। परिषद को विश्वास है कि नवनियुक्त पदाधिकारी संगठन को नई दिशा देने के साथ-साथ कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए प्रभावी ढंग से कार्य करेंगे। नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष जेपी कुशवाहा ने कहा कि संगठन द्वारा उन पर जताया गया विश्वास उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रदेशभर के ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को शासन और प्रशासन के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। वहीं झांसी मंडल अध्यक्ष बलबीर पटेल ने कहा कि मंडल स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत किया जाएगा तथा प्रत्येक विकास खंड तक संगठन की पहुंच बढ़ाकर कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान कराने के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा। मंडल महामंत्री जालम सिंह ने भी संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और कर्मचारियों को एकजुट करने का संकल्प दोहराया। परिषद के पदाधिकारियों ने कहा कि यह सम्मान केवल तीन पदाधिकारियों का नहीं, बल्कि जनपद ललितपुर के समस्त ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के संघर्ष, विश्वास और संगठनात्मक एकता का सम्मान है। संगठन ने विश्वास जताया कि नई टीम कर्मचारियों के हितों की रक्षा, सेवा संबंधी समस्याओं के समाधान, सामाजिक सुरक्षा तथा संगठन को प्रदेश स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में प्रभावी भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर जनपद ललितपुर के ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी परिषद की प्रांतीय कार्यकारिणी, प्रदेश अध्यक्ष एवं समस्त प्रदेश पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान संगठन की मजबूती, कर्मचारियों की एकजुटता और अधिकारों की रक्षा के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प भी लिया गया। एकता ही संगठन की शक्ति है के संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

नमस्ते योजना के तहत सीवर व नालों की सफाई करने वाले स्वच्छकारों का हुआ सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत संचालित नमस्ते योजना के तहत मंगलवार को नगर पालिका परिषद में सीवर, गटर और नालों की सफाई जैसे जोखिमपूर्ण कार्य करने वाले स्वच्छकारों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छता कर्मियों को फूलमालाएं पहनाकर तथा मिष्ठान खिलाकर उनके कठिन परिश्रम और समर्पण के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में नपाध्यक्ष के प्रतिनिधि मुन्नालाल जैन एवं अधिशाषी अधिकारी दिनेश कुमार विश्वकर्मा ने स्वच्छकारों का अभिनंदन करते हुए कहा कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाए रखने में सफाई कर्मियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सीवर, गटर और नालों की सफाई जैसे चुनौतीपूर्ण कार्यों को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ करने वाले इन कर्मियों का सम्मान समाज के लिए प्रेरणादायक है। सरकार की नमस्ते योजना का उद्देश्य भी ऐसे स्वच्छकारों की सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक सशक्तिकरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता कर्मियों के अथक प्रयासों से ही नगर की सफाई व्यवस्था सुचारु बनी रहती है और नागरिकों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो पाता है। इसलिए इनके कार्य का सम्मान करना समाज का नैतिक दायित्व है। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी स्वच्छता कर्मियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए निरंतर सहयोग देने का आह्वान किया। सम्मान समारोह में पार्षद अमरदीप रजक, मुख्य सफाई स्टोर प्रभारी महेन्द्र यादव, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक जितेन्द्र स्वरूप तिवारी, संजू कप्तान, अमित कुमार रिंकू सहित नगर पालिका परिषद के अनेक कर्मचारी एवं स्वच्छता कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का वातावरण सम्मान और उत्साह से भरपूर रहा तथा स्वच्छकारों ने इस सम्मान के लिए नगर पालिका प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

संरा प्रमुख गुतारेस से मिले जयशंकर पश्चिम एशिया-यूक्रेन संकट पर हुई चर्चा

नई दिल्ली/न्यूयॉर्क(एजेंसी)। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस से मुलाकात कर पश्चिम एशिया, यूक्रेन और सूडान सहित वैश्विक घटनाक्रमों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में भारत और संयुक्त राष्ट्र के बीच सहयोग को और मजबूत बनाने पर भी सहमति जताई गई। मुलाकात के बाद जयशंकर ने कहा कि महासचिव के साथ उनकी बातचीत 'हमेशा की तरह अच्छी' रही। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भी बताया कि बैठक में वैश्विक चुनौतियों के साथ भारत-संयुक्त राष्ट्र साझेदारी को मजबूत करने पर विचार-विमर्श हुआ। इससे पहले जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में वर्ष 2028-29 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की गैर-स्थायी सदस्यता हेतु भारत के आधिकारिक चुनाव अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर संयुक्त राष्ट्र में तैनात विभिन्न देशों के राजदूतों, राजनयिकों और अधिकारियों ने भाग लिया। जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के प्रति भारत का दृष्टिकोण 'शांति : सेक्योरिंग हॉलिस्टिक

एडवांस्मेंट थ्रू नॉर्म्स, ट्रस्ट एंड इंटिग्रिटी' पर आधारित है। उन्होंने भारत की प्राथमिकताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि देश 'ग्लोबल साउथ' की मजबूत आवाज बनेगा, बहुपक्षवाद में सुधार को बढ़ावा देगा, भविष्य के अनुरूप शांति-रक्षा व्यवस्था विकसित करेगा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोग से उत्पन्न खतरों का मुकाबला करेगा, समुद्री सुरक्षा को मजबूत करेगा तथा आतंकवाद के वित्तपोषण पर प्रभावी रोक लगाने के लिए कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि भारत ऐसे समय में सुरक्षा परिषद की सदस्यता के लिए अपनी उम्मीदवारी पेश कर रहा है, जब दुनिया गंभीर चुनौतियों और विरोधाभासों का सामना कर रही है। ऐसे दौर में संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। कार्यक्रम के दौरान एक विशेष वीडियो भी प्रदर्शित किया गया, जिसमें वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती भूमिका, मानवीय सहायता अभियानों में योगदान और शांति के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया। वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संदेश को भी शामिल किया गया,

मुलाकात के बाद जयशंकर ने कहा कि महासचिव के साथ उनकी बातचीत 'हमेशा की तरह अच्छी' रही। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भी बताया कि बैठक में वैश्विक चुनौतियों के साथ भारत-संयुक्त राष्ट्र साझेदारी को मजबूत करने पर विचार-विमर्श हुआ। इससे पहले जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में वर्ष 2028-29 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की गैर-स्थायी सदस्यता हेतु भारत के आधिकारिक चुनाव अभियान का शुभारंभ किया।

जिसमें उन्होंने कहा था कि 'यह युद्ध का युग नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति का युग है। 'गौरतलब है कि 2028-29 के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की गैर-स्थायी सदस्यता का चुनाव अगले वर्ष जून में होगा, जिसमें एशिया-प्रशांत समूह की एक सीट के लिए भारत का मुकाबला ताजिकिस्तान से होगा। जयशंकर ने भरोसा जताया कि भारत वैश्विक शांति, सुरक्षा और विकास से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी नेतृत्व प्रदान करेगा।

होर्मुज में जहाजों पर हमले की भारत ने की कड़ी निंदा, एक भारतीय की मौत, 10 घायल

नई दिल्ली। भारत ने होर्मुज जलडमरूमध्य में दो व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करते हुए सुरक्षित और निर्बाध समुद्री मार्ग सुनिश्चित करने पर जोर दिया है। इन हमलों में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य भारतीय नाविक घायल हुए हैं। घटना के बाद विदेश मंत्रालय ने ईरान दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी को तलब कर भारत की ओर से कड़ा विरोध दर्ज कराया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, 'एमटी अल बहियाह' और 'एमटी मोम्बासा' नामक दोनों व्यापारिक जहाजों पर हमले उस समय हुए, जब वे होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे थे। दोनों जहाजों पर कुल 46 चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनमें 30 भारतीय नाविक शामिल थे। मंत्रालय ने बताया कि 'एमटी अल बहियाह' पर सवार 12 भारतीयों में से एक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हुआ है। वहीं 'एमटी मोम्बासा' पर मौजूद 18 भारतीयों में से नौ घायल हुए हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई गई है। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि भारत नाविकों को निशाना बनाने वाली हिंसा और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे अंतरराष्ट्रीय

विदेश मंत्रालय के अनुसार, 'एमटी अल बहियाह' और 'एमटी मोम्बासा' नामक दोनों व्यापारिक जहाजों पर हमले उस समय हुए, जब वे होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे थे। दोनों जहाजों पर कुल 46 चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनमें 30 भारतीय नाविक शामिल थे। मंत्रालय ने बताया कि 'एमटी अल बहियाह' पर सवार 12 भारतीयों में से एक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हुआ है। वहीं 'एमटी मोम्बासा' पर मौजूद 18 भारतीयों में से नौ घायल हुए हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई गई है।

समुद्री मार्गों में सुरक्षित एवं मुक्त आवाजाही में बाधा पहुंचाने वाले कृत्यों की कड़ी निंदा करता है। भारत ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर भी गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सभी पक्षों से हिंसा तुरंत रोकने तथा विवादों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति का मार्ग अपनाने की अपील की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा वैश्विक व्यापार और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है।

मोटापा ही नहीं, कमजोर मांसपेशियां भी बढ़ाती हैं डायबिटीज का खतरा

टाइप-2 डायबिटीज का खतरा केवल मोटापे या बढ़े हुए वजन से ही नहीं, बल्कि कमजोर मांसपेशियों से भी काफी बढ़ सकता है। ऑस्ट्रेलिया की कर्टिन यूनिवर्सिटी के नेतृत्व में किए गए एक बड़े अध्ययन में यह महत्वपूर्ण खुलासा हुआ है कि अतिरिक्त चर्बी और कमजोर मांसपेशियों का संयोजन डायबिटीज का जोखिम कई गुना बढ़ा देता है। 'डायबिटीज केयर' पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन में करीब 4.8 लाख वयस्कों के स्वास्थ्य आंकड़ों का 14 वर्षों तक विश्लेषण किया गया। अध्ययन में शामिल सभी प्रतिभागी शुरुआत में डायबिटीज से मुक्त थे। शोधकर्ताओं ने बताया कि जिन लोगों में मोटापे के साथ मांसपेशियों की कमजोरी भी होती है, उन्हें 'सार्कोपेनिक ओबेसिटी' की श्रेणी में रखा जाता है।

ऐसे लोगों में स्वस्थ शरीर संरचना वाले लोगों की तुलना में टाइप-2 डायबिटीज का खतरा साढ़े तीन गुना से अधिक पाया गया। वहीं केवल मोटापे से ग्रस्त लोगों की तुलना में यह जोखिम 19 प्रतिशत और केवल कमजोर मांसपेशियों वाले लोगों की तुलना में 91 प्रतिशत अधिक रहा। अध्ययन के

प्रमुख लेखक झोंगयांग गुआन ने कहा कि यह शोध इस धारणा को चुनौती देता है कि डायबिटीज का खतरा केवल शरीर के वजन से तय होता है। उन्होंने कहा कि वजन के साथ-साथ मांसपेशियों की ताकत और मात्रा का आकलन भी जोखिम को समझने के लिए बेहद जरूरी है।

शोध के अनुसार, सार्कोपेनिक ओबेसिटी से ग्रस्त लगभग 15 प्रतिशत लोगों में 10 वर्षों के भीतर टाइप-2 डायबिटीज विकसित हुई, जबकि केवल मोटापे वाले लोगों में यह आंकड़ा 11 प्रतिशत और स्वस्थ शरीर संरचना वाले लोगों में करीब 3 प्रतिशत रहा। अध्ययन में यह संबंध विशेष रूप से महिलाओं और 60 वर्ष से कम आयु के वयस्कों में अधिक मजबूत पाया गया। शोध के वरिष्ठ प्रमुख प्रोफेसर मारियो सिएर्वो ने कहा कि डायबिटीज से बचाव के लिए केवल वजन नियंत्रित रखना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि नियमित व्यायाम, शारीरिक गतिविधि और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर मांसपेशियों को मजबूत बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

मॉनसून में उठायें लुत्फ मक्का के लज़ीज़ व्यंजनों का

बारिश का मौसम शुरू होते ही ताजे मक्का और भुट्टों की भरमार दिखाई देने लगती है। पहले जहां लोग सड़क किनारे अंगारों पर सिके भुट्टे का आनंद लेते थे, वहीं आज मक्का आधुनिक रसोई का भी अहम हिस्सा बन चुका है। स्वीट कॉर्न से लेकर पास्ता, सलाद, बर्गर और फ्यूजन स्नैक्स तक, मक्का का स्वाद हर व्यंजन को नया रूप दे देता है। जानिये मक्का से बनी पांच रेसिपीज के बारे में...क्या चाहिए : दो कप उबले हुए मीठे मक्का के दाने, एक कप मोजेरेला चीज़, आधा कप कद्दूकस किया हुआ प्रोसेस्ड चीज़, चार-पांच बारीक कटी लहसुन की कलियां, दो बड़े चम्मच कॉर्नफ्लोर, दो बड़े चम्मच ब्रेडक्रम्ब्स, थोड़ा-सा ओरेगैनो, चिली फ्लेक्स, बारीक कटा हरा धनिया, नमक और एयर फ्राई या हल्का तलने के लिए थोड़ा सा तेल।ऐसे बनाएं : उबले हुए मक्का के दानों को हल्का-सा मैश करें। अब इसमें मोजेरेला और प्रोसेस्ड चीज, बारीक कटा लहसुन, कॉर्नफ्लोर, ब्रेडक्रम्ब्स, ओरेगैनो, चिली फ्लेक्स, नमक और हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिलाएं। यदि मिश्रण अधिक ढीला लगे तो थोड़ा और ब्रेडक्रम्ब्स मिला सकते हैं। अब इस मिश्रण से छोटे-छोटे गोल या लंबवत बाइट्स तैयार करें। इन्हें दस-पंद्रह मिनट फ्रिज में रख दें। इसके

बाद एयर फ्रायर में लगभग 180 डिग्री पर 10-12 मिनट तक या हल्के तेल में सुनहरा-कुरकुरा होने तक पकाएं। ऊपर चिली फ्लेक्स और चीज़ छिड़ककर गार्लिक मेयोनीज या टोमैटो डिप के साथ परोसें। क्या चाहिए : दो कप उबले हुए स्वीट कॉर्न, एक बारीक कटी लाल शिमला मिर्च, एक हरी शिमला मिर्च, एक टमाटर, एक प्याज, आधा कप उबला राजमा, नींबू रस, एक बड़ा चम्मच ऑलिव ऑयल, काली मिर्च, चिली फ्लेक्स, नमक, हरा धनिया और थोड़ा फेटा या प्रोसेस्ड चीज।ऐसे बनाएं : एक बड़े बाउल में उबले हुए मक्का, राजमा और कटी हुई सब्जियां डालें। इसमें ऑलिव ऑयल, नींबू रस, नमक, काली मिर्च और चिली फ्लेक्स मिलाकर अच्छी तरह टॉस करें। ऊपर से फेटा चीज़ या कद्दूकस किया चीज़ डालें और हरे धनिये से सजाएं। चाहें तो कुछ मिनट फ्रिज में ठंडा करके परोसें। यह सलाद पौष्टिक है तथा हल्के भोजन के लिए उत्कृष्ट है। क्या चाहिए : डेढ़ कप उबला हुआ पास्ता, एक कप उबला स्वीट कॉर्न, एक कप बारीक कटा पालक, एक कप दूध, आधा कप फ्रेश क्रीम, दो बड़े चम्मच मक्खन, दो लहसुन कलियां, आधा कप कद्दूकस चीज़, काली मिर्च, इटैलियन हर्ब्स और नमक। ऐसे बनाएं : एक पैन में मक्खन गर्म करें और उसमें बारीक कटा लहसुन हल्का सुनहरा होने तक भूनें। अब पालक डालकर दो-तीन मिनट पकाएं ताकि वह हल्का नरम हो जाए। इसके बाद उबला स्वीट कॉर्न मिलाकर एक मिनट चलाएं। अब दूध और फ्रेश क्रीम डालकर धीमी आंच पर पकाएं। मिश्रण हल्का गाढ़ा होने लगे तो उसमें चीज, इटैलियन हर्ब्स, नमक और काली मिर्च मिलाएं। अब उबला हुआ पास्ता डालकर धीरे-धीरे चलाएं। दो-तीन मिनट धीमी आंच पर पकाने के बाद गैस बंद करें और ऊपर से थोड़ा और चीज़ तथा इटैलियन हर्ब्स डाल गरमागरम परोसें। क्या चाहिए : दो कप उबले मक्का के दाने, दो उबले आलू, आधा कप ब्रेडक्रम्ब्स, बारीक कटी हरी मिर्च, थोड़ा अदरक, हरा धनिया, चाट मसाला, नमक, काली मिर्च, बर्गर बन, लेट्यूस, टमाटर, प्याज, मेयोनीज, टोमैटो सॉस और चीज स्लाइस। ऐसे बनाएं : मक्का और आलू मैश करें। इसमें अदरक, हरी मिर्च, चाट मसाला, नमक, काली मिर्च, हरा धनिया और ब्रेडक्रम्ब्स मिलाकर मुलायम मिश्रण तैयार करें। अब इससे मोटी और गोल टिक्की बनाएं। नॉन-स्टिक तवे पर हल्का तेल लगाकर दोनों ओर से सुनहरा-कुरकुरा होने तक सेकें। दूसरी ओर बर्गर बन को हल्का मक्खन लगाकर टोस्ट कर लें। अब बन पर मेयोनीज लगाएं, लेट्यूस रखें, फिर गरम टिक्की, चीज स्लाइस, टमाटर और प्याज की स्लाइस रखें। ऊपर से टोमैटो सॉस डालकर दूसरा बन रख दें। यह बर्गर पार्टी से लेकर शाम के नाश्ते तक के लिए उपयुक्त है।

सुप्रीम कोर्ट ने 27 लोगों को विदेशी घोषित करने पर लगाई रोक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुवाहाटी हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया है, जिसमें 27 लोगों को विदेशी घोषित करने वाले फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल (विदेशी न्यायाधिकरण) के आदेश को बरकरार रखा गया था। शीर्ष अदालत ने सभी मामलों को नए सिरे से सुनवाई के लिए संबंधित फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल के पास वापस भेजने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने स्पष्ट किया कि उसने अपीलकर्ताओं के भारतीय नागरिक होने के दावों की सत्यता या मेरिट पर कोई टिप्पणी नहीं की है। अदालत ने कहा कि इन मामलों का निर्णय विधिसम्मत, निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत किया जाना आवश्यक है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नागरिकता और विदेशी होने का दर्जा संवैधानिक एवं कानूनी दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। अदालत ने यह भी माना कि राज्य का यह वैध अधिकार और दायित्व है कि जो व्यक्ति भारतीय नागरिकता के पात्र नहीं हैं, वे झूठे दावों या कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग कर नागरिकता प्राप्त न कर सकें। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि इस उद्देश्य की पूर्ति निष्पक्ष सुनवाई की कीमत पर नहीं की जा सकती।

पीठ ने कहा कि किसी व्यक्ति को विदेशी घोषित करने की प्रक्रिया कानून के अनुरूप, न्यायसंगत और उचित होनी चाहिए तथा विदेशी अधिनियम, 1946 की धारा-9 के तहत निर्धारित कानूनी प्रावधानों का पालन अनिवार्य है। गौरतलब है कि गुवाहाटी हाई कोर्ट ने फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल के एकतरफा आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट ने कहा था

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने स्पष्ट किया कि उसने अपीलकर्ताओं के भारतीय नागरिक होने के दावों की सत्यता या मेरिट पर कोई टिप्पणी नहीं की है। अदालत ने कहा कि इन मामलों का निर्णय विधिसम्मत, निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत किया जाना आवश्यक है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नागरिकता और विदेशी होने का दर्जा संवैधानिक एवं कानूनी दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। अदालत ने यह भी माना कि राज्य का यह वैध अधिकार और दायित्व है कि जो व्यक्ति भारतीय नागरिकता के पात्र नहीं हैं, वे झूठे दावों या कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग कर नागरिकता प्राप्त न कर सकें। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि इस उद्देश्य की पूर्ति निष्पक्ष सुनवाई की कीमत पर नहीं की जा सकती।

कि विधिवत नोटिस तामील होने के बावजूद संबंधित व्यक्ति ट्रिब्यूनल के समक्ष उपस्थित नहीं हुए और करीब 23 वर्ष बाद आदेश को चुनौती दी गई। सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले के बाद अब सभी 27 मामलों की दोबारा सुनवाई संबंधित फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल में होगी, जहां दोनों पक्षों को अपना पक्ष रखने का अवसर मिलेगा।

अदालत ने दोहराया कि नागरिकता जैसे संवेदनशील मामलों में न्यायिक प्रक्रिया का पूरी तरह निष्पक्ष और विधिसम्मत होना आवश्यक है।

हरौनी की साप्ताहिक बाजार में व्यापारियों के रोशनी और पीने का पानी के लिए माखन सिंह ने दिया विधायक राजेश्वर सिंह को पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बन्थरा लखनऊ। सरोजनी नगर विधान सभा के ग्रामीण क्षेत्र के अर्न्तगत स्थित क्षेत्रवासियों की सुविधा हेतु लगने वाली साप्ताहिक बाजार हरौनी में विभिन्न समस्याओं का अम्बार लगा हुआ है। उक्त बाजार में जहाँ आनेवाले लोगों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था के साथ ही स्ट्रीट लाईट की व्यवस्था नगण्य है। स्थानीय समाजसेवी अतुल कुमार सिंह माखन द्वारा जानकारी साझा करते हुए बताया कि बाजार में दूरदराज से आने वाले किसान, बुर्जुगों एवं महिलाओं के लिए स्वच्छ पेय जल की व्यवस्था न होने से भीषण गर्मी में व्यापारियों व खरीददारों को पानी पीने के लिए दर-दर

स्थानीय समाजसेवी अतुल कुमार सिंह माखन द्वारा जानकारी साझा करते हुए बताया कि बाजार में दूरदराज से आने वाले किसान, बुर्जुगों एवं महिलाओं के लिए स्वच्छ पेय जल की व्यवस्था न होने से भीषण गर्मी में व्यापारियों व खरीददारों को पानी पीने के लिए दर-दर भटकना पड़ता है।

भटकना पड़ता है। बाजार में विद्युत रोशनी की सुचारू रूप से पर्याप्त व्यवस्था न होने से सॉयकालीन होनेपर अन्धेरा होने से भी काफी समस्याओं से जूझना पड़ता है, चूकिं बाजार में महिला पुरुष सभी आते है अस्तु विद्युत प्रकाश होना उचित प्रतीत होता है उपर्युक्त माँगों का पत्र क्षेत्रीय विधायक को देने के उपरान्त क्षेत्रवासी व दुकानदार उपरोक्त समस्याओं के निराकरण की आस लगाये बैठे हैं।

हरौनी फ्लाईओवर पर पसरा अंधेरा, हादसे की आशंका से सहमे राहगीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बन्थरा लखनऊ। सरोजनी नगर विधान सभा के ग्रामीण क्षेत्र के अर्न्तगत स्थित क्षेत्रवासियों की सुविधा हेतु लगने वाली साप्ताहिक बाजार हरौनी में विभिन्न समस्याओं का अम्बार लगा हुआ है। उक्त बाजार में जहाँ आनेवाले लोगों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था के साथ ही स्ट्रीट लाईट की व्यवस्था नगण्य है। स्थानीय समाजसेवी अतुल कुमार सिंह माखन द्वारा जानकारी साझा करते हुए बताया कि बाजार में दूरदराज से आने वाले किसान, बुर्जुगों एवं महिलाओं के लिए स्वच्छ पेय जल की व्यवस्था न होने से भीषण गर्मी में व्यापारियों व खरीददारों को पानी पीने के लिए दर-दर भटकना पड़ता है। बाजार में विद्युत रोशनी की सुचारू रूप से पर्याप्त व्यवस्था न होने से सॉयकालीन होनेपर अन्धेरा होने से भी काफी समस्याओं से जूझना पड़ता है, चूकिं

बाजार में महिला पुरुष सभी आते है अस्तु विद्युत प्रकाश होना उचित प्रतीत होता है उपर्युक्त माँगों का पत्र क्षेत्रीय विधायक को देने के उपरान्त क्षेत्रवासी व दुकानदार उपरोक्त समस्याओं के निराकरण की आस लगाये बैठे हैं।

मलिहाबाद कोतवाली फिर विवादों में: सिपाही अनुज पर प्रताड़ना के आरोप

सिपाही आशीष मलिक पर व्हाट्सएप ग्रुप से खबर हटाने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ/मलिहाबाद। मलिहाबाद कोतवाली एक बार फिर गंभीर आरोपों के चलते चर्चा का विषय बनी हुई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही जानकारी और पीड़ित पक्ष के आरोपों के अनुसार, एक मामले में पीड़ित से मिलने पहुंचे उसके सहयोगी को पुलिस ने बिना स्पष्ट कारण कोतवाली में बैठाए रखा और कथित रूप से पूरी रात प्रताड़ित किया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और पुलिस का आधिकारिक पक्ष भी सामने आना बाकी है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हाल के दिनों में जिन मामलों का खुलासा हुआ है, उनके बाद मलिहाबाद पुलिस का रवैया पीड़ित पक्ष से जुड़े लोगों के प्रति सख्त और असहयोगात्मक हो गया है। इसी क्रम में कोतवाली में तैनात पुलिस सिपाही अनुज का नाम भी आरोपों में सामने

आया है। आरोप है कि सिपाही अनुज ने पीड़ित पक्ष के सहयोगियों के साथ अभद्र व्यवहार किया और उन्हें मानसिक रूप से परेशान किया, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी व्याप्त है। बताया जा रहा है कि पीड़ित पक्ष के लोगों का कहना है कि जब वे न्याय की उम्मीद लेकर कोतवाली पहुंचे, तब उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। इसके बजाय कथित रूप से उनके साथ ऐसा व्यवहार किया गया जिससे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। यदि इन आरोपों की पुष्टि होती है, तो यह कानून-व्यवस्था और पुलिस की जवाबदेही से जुड़ा गंभीर विषय माना जाएगा। मामले में एक और आरोप यह भी लगाया गया है कि एक पत्रकार द्वारा संबंधित प्रकरण की खबर व्हाट्सएप समूह में साझा किए जाने के बाद उसे समूह से हटा दिया गया। पोस्ट में दावा किया गया है कि यह कार्रवाई समूह के एडमिन, जिनका नाम सिपाही आशीष मलिक बताया गया है, द्वारा की गई। यदि यह दावा सही पाया जाता है, तो यह सूचना के स्वतंत्र प्रसार और पारदर्शिता को लेकर भी प्रश्न खड़े करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए ताकि यह स्पष्ट हो सके कि लगाए गए आरोप कितने सही हैं। उनका मानना है कि यदि किसी पुलिसकर्मी द्वारा अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया गया है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं अभी तक मलिहाबाद थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार भाटी का अभी कोई भी बयान सामने नहीं आया है यदि आरोप निराधार हैं, तो पुलिस का पक्ष भी सार्वजनिक रूप से सामने आना चाहिए ताकि स्थिति स्पष्ट हो सके।